THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

हिन्दी समाचार पत्र

द अनकवर्ड अपडेट

कवर के पीछे की खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

www.hpnews.in/www.tniawaaz.in | जयपुर, शनिवार 28 नवंबर, 2026 | » वर्ष: 01 » अंक: 34 » पृष्ठ: 8 » मूल्य: 2.00 रू.

कांग्रेस ने बहुमत से 25 प्रधान ज्यादा बनाए

भाजपा दोगुनी जगहों पर जीती, 6 जिलों में खाता नहीं खोल पाई; 280 पंचायत समितियों में महिलाएं प्रधान

प्रधान चुनाव-2026

पार्टी	जीते	पिछले नतीजे
कांग्रेस	255	161
भाजपा	105	129
आरएलपी	24	-
बीएपी	14	-
अन्य (निर्दलीय-19, CPIM-2)	21	32
कुल	419/419	352

नोट- पिछली बार 352 पंचायत समितियों में चुनाव हुए थे। इस बार 457 में। अभी 419 पंचायत समितियों का रिजल्ट आया।

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। प्रदेश के 37 जिलों की 419 पंचायत समितियों में शुक्रवार को प्रधानों के चुनाव हुए। कांग्रेस 255 जगह प्रधान बनाने में सफल रही। हालांकि 20 नवंबर को आए रिजल्ट में कांग्रेस को 230 जगह स्पष्ट बहुमत मिला था और 51 जगह पार्टी बढ़त में थी। भाजपा ने 105 जगह प्रधान बनाए, जबकि पार्टी को 51 जगह स्पष्ट बहुमत मिला था और 13 जगह बढ़त बनाई थी। आरएलपी 24 जगह जीती, जबकि पार्टी को 14 जगह बहुमत और 7 में बढ़त थी। बीएपी 14 जगह प्रधान बनाने में सफल रही। पार्टी को 11 जगह बहुमत और 5 जगह बढ़त मिली थी। प्रदेश की 419 में से 47 पंचायत समितियों में निर्विरोध प्रधान चुने गए।

419 में से 280 पंचायत समितियों में महिला प्रधान बनीं

प्रदेश में 419 प्रधानों में से 280 प्रधान महिलाएं हैं। प्रधान के 66 प्रतिशत पदों पर महिलाएं जीती हैं। पंचायती राज में 50% महिला आरक्षण के चलते महिलाओं के लिए 204 सीटें आरक्षित थी, लेकिन इससे ज्यादा महिला प्रधान बनी हैं।

बसपा-बीएपी को हराने के लिए कांग्रेस-भाजपा एक हुई

बूंदी की केशवरायपाटन पंचायत समिति में बसपा प्रत्याशी को हराने के लिए कांग्रेस-भाजपा के सदस्य एकजुट हो गए और निर्दलीय हेमंत कुमारी बागड़ी को वोट देकर प्रधान बना दिया। हेमंत कुमारी को 15 में से 8 वोट मिले, जबकि बसपा की मीना को 7 वोट मिले। उदयपुर की कल्याणपुर पंचायत समिति में बीएपी को हराने के लिए भाजपा ने कांग्रेस का समर्थन कर दिया। यहां कांग्रेस की त्रिपुरा देवी प्रधान बन गई। कुल 15 सीटों में से बीएपी के पास 5, जबकि 7 कांग्रेस और 3 सीट भाजपा के पास थी।

कांग्रेस रुकी बेटी जीतीं, भाजपा रुकी बेटी हारीं

झुंझुनूं की सूरजगढ़ पंचायत समिति में कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार की बेटी प्रधान बनीं हैं। बांसवाड़ा की तलवाड़ा पंचायत समिति में पूर्व विधायक कांता भील की बेटी प्रज्ञा गरासिया प्रधान बनीं। सलूंबर जिले में भाजपा विधायक शांता देवी मीणा की बेटी को सेमारी पंचायत समिति में प्रधान पद के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। भाजपा प्रत्याशी प्रीति मीणा सिर्फ 4 वोट हासिल कर सकीं।

जिले की 22 पंचायत समितियों में प्रधान पद के निर्वाचन परिणाम घोषित

कांग्रेस के 16, भाजपा के 4 एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 2 अभ्यर्थी प्रधान पद पर निर्वाचित



आंधी एवं शाहपुरा में प्रधान निर्विरोध निर्वाचित, शेष 20 पंचायत समितियों में मतदान से हुआ निर्वाचन

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि जयपुर जिले की 22 पंचायत समितियों में प्रधान पद के निर्वाचन के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। घोषित परिणामों के अनुसार इंडियन नेशनल कांग्रेस के 16, भारतीय जनता पार्टी के 4 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 2 अभ्यर्थी प्रधान पद पर निर्वाचित हुए हैं। आंधी एवं शाहपुरा पंचायत समितियों में प्रधान पद के अभ्यर्थी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जबकि शेष 20 पंचायत समितियों में मतदान के माध्यम से निर्वाचन संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि आंधी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 से कांग्रेस की माया देवी वर्मा तथा शाहपुरा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 4 से कांग्रेस की संतरा गुर्जर निर्विरोध निर्वाचित हुई। अमरसर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 13 से कांग्रेस की समोती देवी मीणा 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, आमेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 21 से कांग्रेस की कलावती 17 मत प्राप्त कर 14 मतों के अंतर से तथा बस्सी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 25 से कांग्रेस के लालाराम सैनी 21 मत प्राप्त कर 17 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चाकसू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 14 से कांग्रेस की संतोष देवी मीणा 9 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, चौमूं पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से भाजपा के रामगोपाल मीणा 14 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से तथा दूदू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की अयोध्या देवी 9 मत प्राप्त कर 3 मतों के अंतर से निर्वाचित हुई। गोविंदगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से कांग्रेस की सुमन यादव 12 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से तथा जालसू पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से भाजपा की किशन देवी 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से निर्वाचित हुई। उन्होंने बताया कि जमवारामगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 10 से कांग्रेस के दीपक कुमार 18 मत प्राप्त कर 13 मतों के अंतर से, झोटवाड़ा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 7 से कांग्रेस की मोनिका 13 मत प्राप्त कर 11 मतों के अंतर से तथा जोबनेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस की कमला देवी 13 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुई। किशनगढ़ पंचायत समिति के वार्ड संख्या 9 से कांग्रेस के मदन उर्फ पप्पू 11 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से तथा कोटखावदा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 15 से कांग्रेस की अनोखी देवी 10 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से निर्वाचित हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि माधोराजपुरा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 1 से कांग्रेस की प्रियंका 10 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से, मौजमाबाद पंचायत समिति के वार्ड संख्या 6 से भाजपा के नन्दू 10 मत प्राप्त कर 3 मतों के अंतर से तथा फागी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 3 से कांग्रेस के कैलाश चन्द चौधरी 10 मत प्राप्त कर 5 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए। रामपुरा डाबड़ी पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से कांग्रेस की गीता मौर्य 8 मत प्राप्त कर 1 मत के अंतर से, सांभरलेक पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से भाजपा के दशरथ सिंह 10 मत प्राप्त कर 6 मतों के अंतर से तथा सांगानेर पंचायत समिति के वार्ड संख्या 5 से राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की सीमा चौधरी 11 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुई। तूंगा पंचायत समिति के वार्ड संख्या 2 से कांग्रेस के रामफूल चन्द 11 मत प्राप्त कर 7 मतों के अंतर से निर्वाचित हुए।

प्रधान पद पर निर्वाचित अभ्यर्थियों की सूची

क्रमांक	पंचायत समिति का नाम	वार्ड संख्या	प्रत्याशी का नाम	राजनीतिक दल का नाम	प्राप्त मतों की संख्या	विशेष विवरण
1	Andhi	2	माया देवी वर्मा	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	निर्विरोध	
2	Shahpura	4	संतरा गुर्जर	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	निर्विरोध	
3	Amarsar	13	सनोती देवी मीणा	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	8	01 मत से
4	Amber	21	कलावती	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	17	14 मतों से
5	Bassi	25	लालराम सैनी	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	21	17 मतों से
6	Chaksu	14	संतोष देवी मीणा	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	9	01 मत से
7	Chomu	3	रामगोपाल मीणा	भारतीय जनता पार्टी	14	05 मतों से
8	Dudu	3	अयोध्या देवी	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	9	03 मतों से
9	Govindgarh	10	सुमन यादव	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	12	06 मतों से
10	Jalsu	10	किशन देवी	भारतीय जनता पार्टी	8	01 मत से
11	Jamwa Ramgarh	10	दीपक कुमार	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	18	13 मतों से
12	Jhotwara	7	मोनिका	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	13	11 मतों से
13	Jobner	15	कमला देवी	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	13	07 मतों से
14	Kishangarh	9	मदन उर्फ पप्पू	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	11	05 मतों से
15	Kotkhawada	15	अनोखी देवी	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	10	05 मतों से
16	Madhorajpura	1	प्रियंका	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	10	06 मतों से
17	Mauzamabad	6	नन्दू	भारतीय जनता पार्टी	10	03 मतों से
18	Phagi	3	कैलाश चन्द चौधरी	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	10	05 मतों से
19	Rampura Dabari	5	गीता मोर्य	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	8	01 मत से
20	Sambharlek	5	दशरथ सिंह	भारतीय जनता पार्टी	10	06 मतों से
21	Sanganer	5	सीमा चौधरी	राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी	11	07 मतों से
22	Tunga	2	रामफूल चन्द	इंडियन नेशनल कॉंग्रेस	11	07 मतों से

मंत्री गोयल बोले, भारत-ईयू फ्री ट्रेड डील वर्षांत में होगी साइन

भारत-अमेरिका व्यापार डील पूरा होने के करीब

मार्च या अप्रैल 2027 तक यह लागू होगा

भारत पर 17 फीसदी टैरिफ लगाएगा यूएस

● नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता पूरा होने के बेहद करीब पहुंच चुका है। इंडिया डेट कैपिटल मार्केट समिट 2026 में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि उम्मीद है कि इस साल के आखिर तक ईयू एफटीए पर भी साइन हो जाएंगे और यह अगले साल मार्च या अप्रैल तक लागू हो जाएगा।

गोयल ने अमेरिका के साथ डील पर कहा कि यूएस ट्रेड डील अब पूरा होने के करीब है। जिस प्रक्रिया और रास्ते की वजह से डील को अंतिम रूप देने में रुकावट आ रही थी, अब उसने एक आकार लेना शुरू कर दिया है।

सरल शब्दों में कहें तो भारत और अमेरिका व्यापार समझौते के बीच आने वाली बाधा अब खत्म हो गई है और जल्द ही डील को लेकर ऐलान हो सकते हैं। पीयूष गोयल ने इससे पहले एक दूसरे बयान में कहा था कि अमेरिका और भारत के बीच बातचीत अंतिम चरण में है और कुछ चीजों को लेकर स्पष्टता बाकी है। लेकिन अब उनके नए बयान से यह साफ हो गया है कि दोनों देशों के बीच डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी ही होने वाली है। केंद्रीय मंत्री का यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब अमेरिका ने भारत समेत कई देशों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है. अमेरिका ने कहा है कि अगर भारत के साथ डील हो जाती है तो भारत पर 17 फीसदी का टैरिफ लागू होगा, लेकिन अगर ये डील नहीं होती है तो 25 फीसदी का टैरिफ लगेगा, जो अगले साल की शुरुआत में लागू हो सकता है।



क्यों डील में आ रही रुकावटें

बातचीत में देरी और अनिश्चितता के पीछे अमेरिकी नीतियों में बदलाव और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहले लगाए गए व्यापक टैरिफ को रद्द किए जाने जैसी घटनाएं रही हैं, जबकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अक्टूबर में बातचीत के 'एक पठार पर पहुंचने' का जिक्र किया था। वहीं, व्यापार संगठन सीटीआई (सीटीआई) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने 25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के प्रस्ताव पर जवाबी टैरिफ लगाने की मांग की है।

टैरिफ की चुनौती को हल कर लिया जाएगा

कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने यह भी कहा कि इस समय हम न केवल द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें निश्चित रूप से अमेरिका जैसे देश के साथ बहुत समय लगेगा, क्योंकि व्यापार समझौते इन दिनों बहुत व्यापक और बड़े होते हैं, जिन पर लंबे दौर तक बातचीत होती है। हालांकि, इसके साथ ही हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि टैरिफ संबंधी चुनौतियों को हल कर लिया जाए, जिसका सामना भारतीय निर्यातक कर रहे हैं।

चीन में पोर्ट पर महिला की जांच में पैरों से बंधे मिले 21 जिंदा सांप

बीजिंग, आरएनएन। चीन के एक पोर्ट परकस्टम अधिकारियों को एक महिला की चाल कुछ अजीब लगी। वह ढीली पैंट पहनकर चल रही थी, लेकिन उसके कदम सामान्य नहीं थे। अधिकारियों को शक हुआ तो उन्होंने उसे रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान जो मिला, उसे देखकर वे भी हैरान रह गए।

महिला ने अपने दोनों पैरों के निचले हिस्से में 21 जिंदा सांप छिपा रखे थे। उसने सांपों को काले मोजों में लपेटकर घुटनों को सहारा देने वाले पट्टों के अंदर बांध रखा था। इस तरह वह इन सांपों को चीन के भीतर ले जाने की कोशिश कर रही थी। यह मामला चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग के शेनझेन शहर स्थित फुतियान पोर्ट का है। यहां कस्टम अधिकारी आने वाले यात्रियों और उनके सामान की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक महिला बिना किसी घोषणा के कस्टम जांच क्षेत्र में दाखिल हुई।

स्ट्रोब टैलबॉट का निधन



वाशिंगटन, आरएनएन। प्रसिद्ध पत्रिका टाइम के पूर्व संवाददाता स्ट्रोब टैलबॉट (80) का गुरुवार को निधन हो गया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में यूएस विदेश उपमंत्री के रूप में सेवा भी दी थी और इसके बाद ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के प्रमुख बने थे।

उनके बेटे ने बताया कि लंबे समय से बीमार रहने के बाद उनके पिता ने न्यूयॉर्क के ईस्ट हैम्पटन स्थित घर में अंतिम सांस ली। टैलबॉट ने येल-ऑक्सफोर्ड विवि में पढ़ाई की थी। ऑक्सफोर्ड में वह क्लिंटन के साथ रहते थे। टाइम्स पत्रिाइंटर्नशिप करने के बाद पत्रिका ने उनसे सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टी के पूर्व प्रथम सचिव निकिता ख्रुश्चेव के लीक हुए संस्मरणों का अनुवाद करने में मदद करने को कहा।



अमेरिका में बाढ़ से भारी तबाही, 9 लाख से ज्यादा लोगों के घर की बिजली कटी

● वाशिंगटन / आरएनएन

अमेरिका में शक्तिशाली तूफान ने बारी तबाही मचा दी है। तेज हवाओं, आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश से लाखों लोग परेशान हैं। वर्जीनिया में भी 1.5 लाख से ज्यादा और मिसूरी में लगभग 1.2 लाख लाख उपभोक्ता बिजली से वंचित हैं। तटीय इलाके में आए बाढ़ ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। ऐसे में 9 लाख से अधिक बिजली उपभोक्ता परेशान हो गए हैं।

बता दें कि अमेरिका के पूर्वी हिस्से में शक्तिशाली तूफान ने भारी तबाही मचाई है। तेज हवाओं, मूसलाधार बारिश और तटीय बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और कई विमानों को भी रद्द करना पड़ा है। इतना ही नहीं 9 लाख से अधिक लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हैं।

एक ही दिन में 350 से अधिक उड़ानें रद्द



फ्लाइटअवेयर के अनुसार, गुरुवार को अमेरिकी एयरपोर्ट पर 350 से अधिक उड़ानें रद्द की गई हैं और करीब 700 विमान डिले रहे। अमेरिकन ऑटोमोबाइल एसोसिएशन (एएए) के मुताबिक, थैंक्सगिविंग के आसपास सात दिनों में 8.15 करोड़ अमेरिकी कम से कम 50 मील दूर यात्रा करने वाले थे।

8 करोड़ लोग यात्रा करेंगे

इस हफ्ते अमेरिका में करीब 8 करोड़ से ज्यादा लोगों के ट्रैवल करने की उम्मीद थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट अवेयर के मुताबिक, गुरुवार को अमेरिका में 400 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। वहीं देश के भीतर संचालित होने वाली 2,200 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है।

क्या है अमेरिका का थैंक्सगिविंग

दरअसल, अमेरिका का थैंक्सगिविंग एक पारंपरिक उत्सव है। इसमें लोग अच्छी फसल, पारिवारिक और अन्य खुशियों के लिए एक-दूसरे को धन्यवाद देते हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने पहले ही चेतावनी दी थी कि थैंक्सगिविंग वाले दिन बारिश और तेज हवाओं के चलने की संभावना है। ऐसे में गुरुवार रात तक करीब 10 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। इस दौरान पेंसिल्वेनिया, मैरीलैंड और वर्जीनिया सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में शामिल रहे।

हिन्दी समाचार पत्र

THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है

जयपुर अपडेट

शनिवार, 28 नवंबर, 2026

गुलाबी शहर की हर खबर | Digital Edition | RJHIN/25/A4779

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सिविल लाइंस आवास पर की जनसुनवाई,, अधिकारियों को दिए समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आज सिविल लाइंस स्थित आवास पर जनसुनवाई कर आमजन की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे और उपमुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा से अवगत कराया।

इस दौरान लोगों ने सड़क, पानी, बिजली, अतिक्रमण सहित विभिन्न जनसमस्याओं को उपमुख्यमंत्री के सामने रखा। दिया कुमारी ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को गंभीरता से सुना और मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता से लेते हुए उनका जल्द निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रवासियों से हमारी इकोनॉमी में 7 समंदर पार आ रहे:राजस्थान में विदेशी मुद्रा भेजने वाले प्रवासियों में 1.5 लाख जयपुर वाले

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। विदेश में बसे राजस्थानी हमारी इकॉनोमी को डॉलर का डबल डोज दे रहे हैं। इनसे प्रदेश में सालाना करीब 15,000 करोड़ रु. रेमिटेंस यानी विदेशी मुद्रा आ रही है। इसमें 1.5 लाख जयपुरवासियों की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। विदेश में बसे जयपुरवासी यहां के बाजार, रियल एस्टेट व बैंकिंग सेक्टर का बड़ा सहारा बने हुए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की मार्च-2025 की रेमिटेंस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश से राजस्थान आने वाले रेमिटेंस यानी विदेशी मुद्रा में 7 साल में 25% का उछाल आया है। इसके साथ देश के कुल रेमिटेंस में राजस्थान की हिस्सेदारी 2016-17 के 1.2% से बढ़कर 2023-24 में 1.5% हो गई। राजस्थान देश में रेमिटेंस पाने वाले राज्यों में 13वें स्थान पहुंच गया।

अमेरिका सबसे आगे, ऑस्ट्रेलिया से सबसे कम

देश	हिस्सेदारी	कहां से हो रही कमाई?
अमेरिका	27.7%	सिलिकॉन वैली, न्यूयॉर्क में आईटी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, मेडिकल और फाइनेंस सेक्टर।
यूएई	19.2%	दुबई और अबू धाबी में रत्न-आभूषण कारोबार और कंस्ट्रक्शन सेक्टर।
ब्रिटेन	10.8%	लंदन व अन्य शहरों में बैंकिंग, हेल्थकेयर, उच्च शिक्षा
सऊदी अरब	6.7%	इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट और तकनीकी क्षेत्र।
सिंगापुर	6.6%	फाइनेंस, शिपिंग, कॉर्पोरेट नौकरियां और व्यापार।
कतर	4.1%	इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर।
कुवैत	3.9%	ट्रेड, सर्विस और तकनीकी क्षेत्र।
कनाडा	3.8%	टोरंटो, वैंकूवर में आईटी, प्रोफेशनल सेवाएं।
ओमान	2.5%	कंस्ट्रक्शन, रिटेल और व्यापार।
ऑस्ट्रेलिया	2.3%	सिडनी-मेलबर्न में अकाउंटिंग, आईटी सेक्टर।

बड़े देशों में ज्यादा वाइट कॉलर प्रोफेशनल, यूएस में 78% राजस्थानी उच्च आय वाले

अधिकतर क्षेत्रों से वर्कर खाड़ी देशों में जाते हैं। जयपुर से एक्सपर्ट्स, डॉक्टर, सीए, बैंकर्स ब्रिटेन, सिंगापुर जैसे देशों में हैं। अमेरिका में 78% राजस्थानी उच्च आय वाले हैं। बड़ी राशि पाने वाले शहरों में जयपुर; अहमदाबाद, चंडीगढ़, दिल्ली, भुवनेश्वर और जयपुर बड़े ट्रांजैक्शन के केंद्र हैं। रेमिटेंस का 40 फीसदी से अधिक, 1 लाख या उससे अधिक की राशि के रूप में आता है। 5 लाख से बड़े ट्रांजैक्शन की हिस्सेदारी 28.6 प्रतिशत है।

विदेश में बसे जौहरी परिवारों ने जेम्स एंड ज्वेलरी को बनाया बड़ा ग्लोबल कॉरिडोर

जयपुर के जौहरी परिवारों की पीढ़ियां न्यूयॉर्क, बेल्जियम, दुबई, हांगकांग जैसे वैश्विक बाजारों में कार्यरत है। यह पारंपरिक नेटवर्क जयपुर आने वाली विदेशी पूंजी का प्रमुख जरिया बना हुआ है। खर्च की तुलना में निवेश पर फोकस; कई जिलों में पैसा पारिवारिक खर्च या मकान निर्माण में जाता है। जयपुर में आने वाले रेमिटेंस रियल एस्टेट, कमर्शियल प्रॉपर्टी, म्यूचुअल फंड आदि में जाता है।

पढ़ाई संग कमाई भी कर रहे जयपुर के छात्र

उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले छात्र और युवा पेशेवर कई क्षेत्रों में काम करते हैं। इनका नेटवर्क रेमिटेंस के नए स्रोत के रूप में उभर रहा है। हालांकि, पंजाब और हरियाणा के मुकाबले में रेमिटेंस हासिल करने में राजस्थान की रफ्तार थोड़ी कम है।

विदेश से भारत में रेमिटेंस 28% बढ़ा

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार अप्रैल-जुलाई 2026 में देश में 53.9 अरब डॉलर का रेमिटेंस आया, यह पिछले वर्ष की समान अवधि से 24.2% बढ़ा है। तरीके भी बदल रहे हैं। 73.5% ट्रांजैक्शन डिजिटल और फिनटेक से हो रहे हैं। इससे लागत घट रही है।

बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के दो वर्ष पूर्ण होने पर जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए इस अभियान को बनाना होगा जन-आंदोलन

BVMR पोर्टल और जागरूकता वैन लॉन्च, हस्नक्क की चेंज एजेंट बालिकाएं सम्मानित, सवाई माधोपुर की कविता मीणा बनी प्रेरणा



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत (क्वङ्कस्क्क) अभियान' के दो वर्ष पूर्ण होने एवं संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित 'बाल विवाह और जबरन विवाह उन्मूलन के अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को भगत सिंह मेहता सभागार, एचसीएम रीपा परिसर, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास एवं बाल अधिकारिता मंत्री श्रीमती दिया कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के विरुद्ध संघर्ष कर अपने जीवन को नई दिशा देने वाली साहसी बालिकाओं की प्रसंशा की सम्मानित किया तथा उनके संघर्ष और सफलता की कहानी को प्रेरक बताते हुए कहा कि बालिकाओं ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास से यह साबित किया है कि उचित अवसर, शिक्षा और सहयोग मिलने पर हर बेटी अपने सपनों को साकार कर सकती है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए इस अभियान को जन-आंदोलन बनाना होगा। अब भाषण नहीं, धरातल पर एक्शन की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सरकार के साथ-साथ हमारी बेटियों ने कर दी है। यह केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों और बेटों दोनों के सम्मान, अधिकार और राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य का संकल्प है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र की पहल से यह विषय राष्ट्रव्यापी मूवमेंट बना है और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' का संकल्प लिया गया है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की तरह ही 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान को भी हमें सफल बनाना है।

बाल विवाह को दंडनीय अपराध बताते हुए उन्होंने कहा कि पाबंदियों के कारण बेटियाँ कई बार आवाज नहीं उठा पातीं, इसलिए सूचना मिलने पर तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर कॉल करें। यह हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी को इस अभियान का चैंपियन और ब्रांड एंबेसडर बनना होगा। शादी जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं, यह उम्र पढ़ने-लिखने और विकसित भारत-विकसित राजस्थान के निर्माण की है। हर पंचायत, गाँव व ढाणी को बाल विवाह मुक्त बनाना है।

1. बाल विवाह - मानसिकता बदलने का विषयः शासन सचिव

शासन सचिव श्रीमती पूनम ने कहा कि बाल विवाह गरीबी का नहीं, मानसिकता और आघात का विषय है। बच्चियों को गृहस्थी नहीं, डॉक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक बनने का अवसर मिलना चाहिए। 2030 तक बाल विवाह मुक्त राजस्थान लक्ष्य है।

2. राजस्थान की नई रणनीति

बाल अधिकारिता विभाग द्वारा बताया गया कि नई कार्ययोजना जनवरी 2026 में ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी और संस्था प्रधानों को भी ष्टस्क्क बनाया गया है, निषेधाज्ञा लेना अनिवार्य किया गया है, 'मिशन वात्सल्य' और 'कवच' से पंचायत स्तर पर संरक्षण मजबूत किया गया है। क्वङ्कस्क्क पोर्टल को 'शाला दर्पण' से जोड़ने का प्रस्ताव है। राष्ट्रीय स्तर पर 71,842 ष्टस्क्क और 42 लाख से अधिक संकल्प प्राप्त हुए हैं।

3. मुख्य आकर्षणः

अ) मोबाइल वैन को हरी झंडी - संदेशः बचपन बचाएंगे, बाल विवाह मिटाएंगे।

ब) क्वङ्कस्क्क पोर्टल एवं ढ्ढश्वष्ट सामग्री का विमोचन - थीम गीत 'बचपन को मिले उड़ान, बाल विवाह मुक्त राजस्थान '।

स) चेंज एजेंट्स का सम्मान - हस्नक्क से जुड़ी मनोज कुमारी, हर्षिता मेघवंशी, मयंक सिंह, अंजू, अरबिया, हर्षिता (ब्यूटीशियन), आयशा (6 बाल विवाह रुकवाए) और आरुषि बैरवा को सम्मानित किया गया। बाल विवाह रोकथाम में अनुकरणीय कार्य के लिए हस्नक्क को भी प्रशस्ति पत्र दिया गया।

4. प्रेरणा - सवाई माधोपुर की कविता मीणाः

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की ब्रांड एंबेसडर कविता मीणा ने बताया कि 2018 में हस्नक्क से जुड़कर उन्होंने अपनी बहन और राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी सहेली का बाल विवाह रुकवाया। उनके प्रयासों से उनकी ग्राम पंचायत बाल विवाह मुक्त है, जहां की अनंता और ज्योति जैसी बेटियां कजाकिस्तान में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

इस अवसर पर शासन सचिव श्रीमती पूनम, सरदार पटेल पुलिस यूनिवर्सिटी जोधपुर के कुलगुरु श्री आलोक त्रिपाठी, आयुक्त बाल अधिकारिता श्री निकया गोहाएन, आयुक्त विशेष योग्यजन श्री इकबाल खान, हस्नक्क की त्रिशा पारीक एवं अंतरा त्रिवेदी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

260 अतिक्रमण हटा 40 से 80 फीट चौड़ी की सड़कःबिजली लाइन के जाल में उलझी नंदपुरी की 1.5 किलोमीटर सड़क

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जेडीए ने नंदपुरी अंडरपास से एयरपोर्ट रोड तक सड़क चौड़ी करने के लिए छह महीने पहले सड़क सीमा में आ रहे 260 मकान-दुकान ध्वस्त किए थे। अब तय चौड़ाई में सड़क का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि बिजली लाइनें शिफ्ट किए बिना ही डामरीकरण किया जा रहा है। पहले गिट्टी और कंक्रीट बिछाई गई और अब बिजली के खंभों के आसपास ही डामर बिछाया जा रहा है। सड़क की चौड़ाई बढ़ने और नया डामर बिछने से वाहन दौड़ने लगे हैं। ऐसे में बिजली लाइनों के जाल में उलझी सड़क पर हादसों का खतरा बढ़ गया है।



वाहन चालक हो रहे भ्रमित

नंदपुरी अंडरपास से एयरपोर्ट रोड तक 1.5 किमी सड़क पर 67 बिजली के पोल और 4 ट्रांसफार्मर हैं। 6 महीने बाद भी जेडीए की विद्युत शाखा बिजली लाइनें शिफ्ट नहीं कर पाई है। एयरपोर्ट रोड से नंदपुरी मोड़ तक खंभों के आसपास ही डामरीकरण किया जा चुका है। अब कैलाशपुरी में भी बिना लाइनें शिफ्ट किए 80 फीट चौड़ाई में डामरीकरण किया जा रहा है। सड़क के बीच खंभे होने से वाहन चालक भ्रमित हो रहे हैं। पहले यह सड़क 40 फीट चौड़ी थी। जेडीए ने मई में जोनल प्लान के अनुसार इसे 80 फीट चौड़ा करने के लिए अतिक्रमण हटाए थे।

हाईकोर्ट बोला-PTI भर्ती में एक्सपर्ट की रिपोर्ट सार्वजनिक करें:कोर्ट ने एक्सपर्ट से विवादित सवालों की जांच के निर्देश दिए थे; याचिकाकर्ताओं को रिपोर्ट नहीं दी थी

द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। हाईकोर्ट ने PTI भर्ती-2022 में विवादित सवालों की जांच के लिए गठित एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के निर्देश दिए हैं। जस्टिस अनूप ढंढ की अदालत ने जुबैर खान और अन्य की ओर से दायर याचिकाओं को निस्तारित करते हुए यह आदेश दिए।

अदालत ने कहा कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आरएसएसबी) एक्सपर्ट की रिपोर्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करें। जिससे याचिकाकर्ताओं को यह पता लग सके कि एक्सपर्ट ने विवादित सवालों के जिन जवाबों को सही माना है, वह किस पाठ्यपुस्तक अथवा लेखक की पुस्तक को आधार मानकर तय किए गए हैं।

हालांकि कोर्ट ने कहा कि बोर्ड एक्सपर्ट के नाम गोपनीय ही रखें, उन्हें सार्वजनिक नहीं किया जाए।

आरोप-एक्सपर्ट से जांच नहीं करवाई गई



अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने साल 2022 में पीटीआई के करीब साढ़े 5 हजार पदों पर भर्ती निकाली थी। मॉडल आंसर-की में अभ्यर्थियों ने कई सवालों को लेकर आपत्तियां दर्ज कराई। जिसमें से कुछ को मानते हुए बोर्ड ने फाइनल आंसर-की जारी कर दी। वहीं अभ्यर्थियों की शेष आपत्तियों को खारिज कर दिया।

जिसके बाद अभ्यर्थियों ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। अदालत ने 19 अप्रैल 2023 को कर्मचारी चयन बोर्ड को इन विवादित सवालों की जांच एक्सपर्ट से कराने के निर्देश दिए। लेकिन याचिकाकर्ताओं का कहना है कि बोर्ड ने बिना किसी एक्सपर्ट से जांच कराए आनन फानन में 31 मई को अंतिम परिणाम जारी कर दिया।

याचिकाकर्ताओं के कहने पर भी उन्हें एक्सपर्ट की रिपोर्ट नहीं दी गई। इस पर कोर्ट ने एक्सपर्ट की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के निर्देश दिए।

सादर प्रकाशनार्थ

जयपुर में सफाई व्यवस्था पर नगर निगम सख्त, दुकानदारों को दो डस्टबिन रखना अनिवार्य

महापौर सुनील कोठारी और उपमहापौर सरोज कंवर ने अधिकारियों को दिए निर्देश, नियमों की अनदेखी पर लगेगा 2 हजार रुपये का जुर्माना



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। राजधानी जयपुर में शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और कचरा प्रबंधन को प्रभावी करने के लिए नगर निगम ने सख्ती बरतने की तैयारी कर ली है। शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय में महापौर सुनील कोठारी और उपमहापौर श्रीमती सरोज कंवर की अध्यक्षता में सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।

महापौर सुनील कोठारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी जोन उपायुक्त नियमित रूप से फील्ड में जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि शहर में खुले कचरा डिपो नहीं रहें। सफाई कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दुकानदारों को रखने होंगे दो डस्टबिन

बैठक में दुकानदारों के लिए दो डस्टबिन रखना अनिवार्य करने पर विशेष जोर दिया गया। दुकानों पर गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग हरे और नीले डस्टबिन रखने होंगे। नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों को पहले समझाइश दी जाएगी। इसके बाद भी व्यवस्था नहीं सुधरने पर 2 हजार रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा।

इसके साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की होगी निगरानी

महापौर ने प्रोजेक्ट शाखा के अधिकारियों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लगे वाहनों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में शहर की सफाई व्यवस्था, खुले कचरा डिपो, कचरा संग्रहण वाहनों, वार्ड ओआईसी के निरीक्षण, कैरिंग चार्ज और जुर्माने की स्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

बैठक में जनगणना की तैयारियों और दुकानों पर दो डस्टबिन की व्यवस्था की रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। महापौर और उपमहापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जोन स्तर पर सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, ताकि जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके।

बैठक में नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग, जोन उपायुक्तों, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों तथा संबंधित शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

400 करोड़ की बिल्डिंग में बिना अप्रूवल बदलाव

महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट की नई बिल्डिंग में स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर शुरू करने किया मॉडिफिकेशन



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज की बिल्डिंग के एक ब्लॉक में स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर शुरू करने के बाद विवाद हो गया है। सेंटर में फिलहाल छात्रों को जर्मन और अंग्रेजी भाषा सिखाई जा रही है। लेकिन सेंटर शुरू करने के साथ नई बिल्डिंग में मॉडिफिकेशन भी किया गया है। इसके बाद बिल्डिंग को बनाने वाली एजेंसी आरएसआरडीसी ने हाथ खड़े कर दिए हैं। एजेंसी ने संबंधित विभाग को पत्र लिखा है, जिसमें कहा है कि भवन में जगह-जगह मनमर्जी से लाइटिंग फिक्सचर्स, पार्टीशन वॉल्स लगा दी गई हैं, फॉल्स सीलिंग से लेकर वायरिंग में छेड़छाड़ कर दी गई है। भवन का स्ट्रक्चर बदला जा रहा है, जिससे ओवरलोडिंग से ट्रिपिंग से लेकर आग लगने तक का खतरा है। ऐसे में अब एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं है।

बिल्डिंग का नहीं हुआ उद्घाटन

जेएलएन मार्ग पर कॉमर्स कॉलेज के सामने संस्थान का भवन करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है। राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल इस भवन का अब तक उद्घाटन नहीं हुआ। इसे उच्च शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, नवाचार एवं नीतिगत परामर्श के उद्देश्य से टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज मुंबई और स्कूल ऑफ गवर्नेंस पुणे की तर्ज पर बनाया गया था।

विदेशी भाषाएं सिखाई जा रहीं

मई में उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के बीच एमओयू हुआ था। इसके तहत भवन में जर्मन, अंग्रेजी सहित अन्य भाषाएं सिखाई जा रही हैं। वर्तमान में करीब 40 छात्र हैं। भवन में प्रशासनिक भवन में लाइब्रेरी को छोड़कर 4 क्लासरूम व अन्य कमरे दिए गए हैं।



केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 18 विद्यालयों के 252 छात्र-छात्राएं पहुँचें विधान सभा

स्पीकर देवनानी ने विद्यार्थियों को भेंट की 'भारत की आत्मा, राष्ट्र का गौरव : हमारा संविधान' पुस्तिका

विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था की दी जानकारी

जयपुर(नि.सं.)। संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा युवा पीढ़ी को देश की लोकतांत्रिक एवं संसदीय व्यवस्था से परिचित कराने के उद्देश्य से केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध 18 विद्यालयों के 252 छात्र-छात्राओं ने राजस्थान विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस अवसर पर वासुदेव देवनानी ने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा उन्हें भारतीय संविधान की मूल भावना, उसके निर्माण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका से अवगत कराया। देवनानी ने विद्यार्थियों को 'भारत की आत्मा, राष्ट्र का गौरव : हमारा संविधान' पुस्तिका भेंट की।

55 पृष्ठों की पुस्तिका में संविधान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां : विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विद्यार्थियों को 'भारत की आत्मा, राष्ट्र का गौरव : हमारा संविधान' पुस्तिका भेंट करते हुए बताया कि 55 पृष्ठों की इस पुस्तिका में भारतीय संविधान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को सरल, सहज एवं सुव्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत किया गया है। पुस्तिका में संविधान की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान निर्माण की प्रक्रिया, संविधान सभा का योगदान, संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा देश की लोकतांत्रिक एवं संसदीय व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तिका का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन को भारतीय संविधान की मूल भावना और उसके महत्व से परिचित कराना है। संविधान के विभिन्न प्रावधानों और लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी को संविधान के प्रति जागरूक बनाना समय की आवश्यकता है। 55 पृष्ठों की यह पुस्तिका विद्यार्थियों के लिए संविधान को समझने का उपयोगी माध्यम बनेगी और उनमें संवैधानिक चेतना, राष्ट्रीय एकता तथा नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने में सहायक होगी।

अविचल भाव से आगे बढने की प्रेरणा – स्पीकर देवनानी ने बताया कि संविधान को जानने के लिए छात्र-छात्राओं को हमारा संविधान पुस्तिका में संविधान के ऐतिहासिक संदर्भ और दार्शनिक पक्षों का समावेश किया गया है। यह कृति संविधान के आदर्शों, कर्तव्यों और अधिकारों के संतुलन को समझने के साथ ही लोगों को राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर अविचल भाव से आगे बढने की प्रेरणा देगी।

संविधान के 22 भागों के 22 चित्रों में समाहित है भारत की गौरवशाली कहानी- 'भारत की आत्मा, राष्ट्र का गौरव : हमारा संविधान' पुस्तिका की विशेषता यह है कि इसमें भारतीय संविधान के 22 भागों से संबंधित 22 चित्रों के माध्यम से भारत की गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत कहानी को दर्शाया गया है।

न्यूज इन बॉक्स



आईआईटीएफ-2026 में राजस्थान पवेलियन को मिला उत्कृष्ट सहभागिता सम्मान

फूड कैटेगरी में मिला स्वर्ण पुरस्कार

नई दिल्ली/जयपुर(नि.सं.)। 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में राजस्थान ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प, स्थानीय उत्पादों और आकर्षक प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान स्थापित की है। मेले के समापन से एक दिन पूर्व आयोजित अवॉर्ड समारोह में राजस्थान को पार्टनर स्टेट श्रेणी में Award of Honorable Participation से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राजस्थान को फूड कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ। राजस्थान इस वर्ष लगातार दूसरी बार आईआईटीएफ में पार्टनर स्टेट के रूप में सहभागी रहा। उल्लेखनीय है कि 44वें आईआईटीएफ में भी राजस्थान पार्टनर स्टेट था तथा दोनों वर्षों में राजस्थान पवेलियन के लिए 1,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल आवंटित किया गया था। पिछले वर्ष राजस्थान पवेलियन को उत्कृष्ट डिस्प्ले के लिए गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त हुआ था। इस वर्ष भी राजस्थान पवेलियन ने अपनी विशिष्ट थीम, प्रभावी प्रस्तुतीकरण और उत्कृष्ट आयोजन व्यवस्थाओं के माध्यम से आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया।



राज्य स्तरीय समिति की बैठक

उद्यमियों को मिलेंगी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं,निवेश और रोजगार के अवसरों को मिलेगा बढ़ावा : मुख्य सचिव

जयपुर (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रदेश में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ाने की मंशा के अनुरूप मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) के तहत गठित राज्य स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने बूंदी एवं बालोतरा में प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों की आर्थिक व्यवहार्यता का समुचित आकलन करने तथा इनके विकास संबंधी प्रस्ताव 30 नवम्बर तक केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। बैठक में रीको ने दो नए औद्योगिक पार्क विकसित करने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए। बूंदी जिले में लाखेरी के समीप खरायता में 370.05 एकड़ क्षेत्र में 468.49 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से औद्योगिक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव है। वहीं, बालोतरा जिले में पचपदरा रिफाइनरी के समीप बोरावास-कलावा द्वितीय चरण में 311.28 एकड़ क्षेत्र में 434.15 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से औद्योगिक पार्क विकसित किया जाना प्रस्तावित है। रीको के प्रबंध निदेशक श्री सुरेश कुमार ओला ने बताया कि प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों में उद्यमियों को सड़क,बिजली, पानी और भंडारण सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने की योजना है। साथ ही, 'प्लग एंड प्ले' व्यवस्था के तहत उद्योग शुरू करने के लिए तैयार आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा श्रमिक आवास एवं हरित क्षेत्र विकसित करने का भी प्रस्ताव है। इससे उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने में आसानी होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो सकेंगे।उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की भव्य योजना के तहत देशभर में 100 आधुनिक औद्योगिक पार्क विकसित करने का लक्ष्य है।योजना के अंतर्गत राज्य सरकार अथवा अधिकृत संस्था द्वारा विकसित किए जाने वाले औद्योगिक पार्कों के लिए प्रति एकड़ अधिकतम एक करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता का प्रावधान है।

भूमाफिया अरेस्ट

जयपुर में 10 हजार का इनामी भूमाफिया अरेस्ट



एक साल से काट रहा था फरारी; 5 मामलों में चल रहा था वांटेड

जयपुर। जयपुर की जामडोली थाना पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी भूमाफिया को गुरुवार रात अरेस्ट किया है। वह एक साल से फरार चल रहा था। एक साल से पुलिस 5 मामलों में वांटेड भूमाफिया की तलाश कर रही थी। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी (ईस्ट) रंजीता शर्मा ने बताया- गिरफ्तार आरोपी अजीत सिंह उर्फ जीतू (33) आरकेपुरम कॉलोनी बस्सी का रहने वाला है। जामडोली में महेश विहार नाम से कॉलोनी में 1500 वर्गगज विवादित भूमि को जानते हुए आरोपी ने अपने प्रॉफिट के लिए दूसरे व्यक्ति से खरीदी।

ठिकाने बदलता रहा आरोपी

जामडोली थाने में आरोपी अजीत सिंह उर्फ जीतू के खिलाफ 5 मामले दर्ज हुए।



नारी शक्तिः आर्थिक गुणक के रूप में विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर (नि.सं.)। कानोड़िया पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर के अर्थशास्त्र विभाग की तरफ से शुक्रवार को नारी शक्ति : एक आर्थिक गुणक के रूप में महिला-नेतृत्व का विकास में योगदान'' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 33 छात्राओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी, उद्यमिता, स्वयं सहायता समूहों, वित्तीय समावेशन और भारत की आर्थिक प्रगति में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने छात्राओं को उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी के लिए बधाई दी और विभाग की ओर से सामयिक एवं सार्थक विषय के चयन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब महिलाएँ शिक्षित, कुशल और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तो उसका लाभ परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को मिलता है।

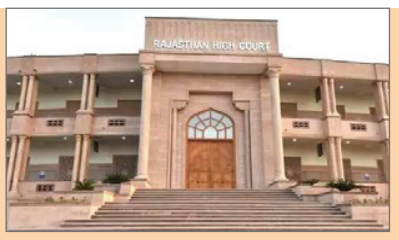

जोधपुर हाईकोर्ट में गोचर भूमि अधिग्रहण को चुनौती

पाली जिले के 9 गांवों की जमीन से जुड़ा है मामला आरएसआईआर एक्ट की धारा-27 पर होगी अंतिम सुनवाई

जोधपुर(वि.सं.)। पाली जिले की रोहट तहसील के नौ गांवों की सरकारी और गोचर भूमि जोधपुर-पाली-मारवाड़ इंडस्ट्रियल एरिया के लिए लेने की प्रक्रिया को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। कोर्ट ने राजस्थान स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन एक्ट, 2016 की धारा 27 की संवैधानिक वैधता पर दायर जनहित याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल और जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू की डिवीजन बेंच गन्नू सिंह बनाम राजस्थान राज्य मामले की सुनवाई करेगी। याचिका में धारा 27 को चुनौती दी गई है।

जीवनरक्षा की मुहिम

हृदयाघात एवं कार्डियक अरेस्ट जैसी आपातकालीन स्थिति में जीवनरक्षा की मुहिम

- **डीआईएलएसई कार्यक्रम से प्रदेशव्यापी जीवन रक्षक नेटवर्क तैयार किया जाएगा,**
- **मार्च 2027 तक कम से कम एक करोड़ नागरिकों को सीपीआर प्रशिक्षण देने का लक्ष्य**
- **जयपुर से मास्टर ट्रेनर्स तैयार करने की शुरुआत, सभी जिलों में चरणबद्ध लागू होगा कार्यक्रम**

जयपुर(नि.सं.)। प्रदेश में हृदयाघात एवं कार्डियक अरेस्ट जैसी जानलेवा आपातकालीन स्थिति में समय पर जीवन बचाने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 'डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' (डीआईएलएसई) कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को जीवन रक्षक कौशल से प्रशिक्षित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मार्च 2027 तक प्रदेश के कम से कम एक करोड़ नागरिकों को कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन यानी सीपीआर का प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि डेडिकेटेड इंटरवेंशन एंड लाइफ सेविंग इमरजेंसी' कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में सीपीआर, ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर (एईडी) के उपयोग तथा हृदयाघात की समय रहते पहचान एवं उपचार की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थिति में चिकित्सा सहायता पहुंचने से पहले सीपीआर एवं एईडी का सही उपयोग किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग के साथ आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए प्रदेशव्यापी जीवन रक्षक प्रशिक्षण नेटवर्क तैयार किया जाएगा। श्रीमती राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में जयपुर जिले के लिए 25 एवं 26 नवम्बर को झालाना डूंगरी स्थित राजकीय प्रशिक्षण केंद्र में दो दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) आयोजित की गयी।





पुलिस ने बाल विवाह रोकने की शपथ ली

एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों से लोगों को जागरूक करने की अपील की

करौली(वि.सं.)। करौली पुलिस ने बाल विवाह रोकने और इसके खिलाफ लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल विवाह के पूर्ण उन्मूलन की शपथ दिलाई। शपथ के दौरान सभी ने बाल विवाह का विरोध करने और अपने-अपने कार्यक्षेत्र में इसे रोकने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। लोकेश सोनवाल ने कहा कि बाल विवाह से बच्चों के अधिकार, शिक्षा और स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इससे उनका सुरक्षित भविष्य भी खतरे में पड़ जाता है।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में राजस्थान देशभर में अव्वल

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'वंचितों को वरीयता' के विजन के साथ प्रारम्भ किए गए 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' का प्रभावी क्रियान्वयन कर राजस्थान ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिशन मोड पर चलाए जा रहे अभियान के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने, राजकीय सेवा की समयबद्ध उपलब्धता, शिकायतों



के प्रभावी निवारण और जनजातीय समुदाय के अधिकारों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने में यह विशेष उपलब्धि हासिल की गई है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत राजस्थान के 37 जिलों के 208 ब्लॉक्स के 6 हजार 19 गांवों में आश्रम छात्रावासों एवं आवासीय विद्यालयों के निर्माण, उन्नयन एवं सुधार के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2026-27 तक विभिन्न विकास कार्यों के लिए 335 करोड़ रुपये से अधिक की राशि के कार्यों की प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी किए जाने के साथ 277 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृतियां जारी की जा चुकी हैं।

छबड़ा विद्युतगृह **छबड़ा विद्युतगृह का 2320 मेगावाट विद्युत उत्पादन करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन**

दोनों विद्युतगृहों से संयुक्त रूप से कमीशनिंग के बाद सर्वाधिक विद्युत उत्पादन

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के छबड़ा स्थित 1000 मेगावाट क्षमता के सब क्रिटिकल एवं 1320 मेगावाट क्षमता के सुपर क्रिटिकल पावर प्लांटों से संयुक्त रूप से अपनी पूर्ण क्षमता पर विद्युत उत्पादन करते हुए 2320 मेगावाट का ऐतिहासिक आंकड़ा हासिल किया। यह दोनों प्लांटों की कमीशनिंग के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ विद्युत उत्पादन है। उल्लेखनीय है कि कमीशनिंग के बाद से ही छबड़ा सुपर



क्रिटिकल इकाइयों में कुछ तकनीकी समस्याएं बनी हुई थीं, जिनके कारण इनका पूर्ण क्षमता से संचालन प्रभावित हो रहा था। उत्पादन निगम के प्रबन्धन के निर्देषानुसार अभियंताओं ने निरंतर प्रयास करते हुए इन तकनीकी खामियों को दूर किया एवं आवश्यक सुधार कर इकाइयों की कार्यक्षमता एवं विश्वसनीयता को बेहतर बनाया। इन समन्वित प्रयासों का परिणाम है कि आज दोनों प्लांटों ने संयुक्त रूप से कमीशनिंग के बाद अब तक का सर्वाधिक 2320 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से उत्पादन निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

इस अवसर पर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री देवेंद्र श्रृंगी ने छबड़ा विद्युतगृह की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर एवं ऊर्जा सचिव सुश्री आरती डोगरा के मार्गदर्शन एवं सहयोग तथा उत्पादन निगम के अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मचारियों के अथक परिश्रम, समर्पण और टीम भावना से यह उपलब्धि संभव हो पाई है।

सम्पादकीय

"मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो
विस्तारस्वतंत्रता का हनन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार"

जानलेवा मांझे पर प्रतिबंध नहीं, कार्रवाई जरूरी

किसी शहर की सड़कों पर सुरक्षित चलने का अधिकार हर नागरिक को है। लेकिन जब एक साधारण-सा धागा राह चलते व्यक्ति की जान लेने लगे, तो यह केवल एक दुर्घटना नहीं रह जाती, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल बन जाती है। पतंगबाजी जैसे पारंपरिक शौक के लिए इस्तेमाल होने वाला मांझा यदि जानलेवा हथियार में बदल जाए, तो उसके उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रभावी नियंत्रण सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारापुला के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हाल ही में मोटरसाइकिल सवार युवक की प्रतिबंधित मांझे से गला कटने के कारण हुई मौत इसी गंभीर समस्या का उदाहरण है। यह हादसा एक परिवार के लिए कभी न भरने वाला दुख छोड़ गया, लेकिन इसके साथ ही व्यवस्था के सामने कई ऐसे सवाल भी खड़े कर गया, जिनका जवाब केवल औपचारिक कार्रवाई से नहीं दिया जा सकता। आखिर प्रतिबंधित मांझा बाजार तक पहुंच कैसे रहा है? इसकी बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने वाली एजेंसियां क्या कर रही हैं? और सबसे बड़ा सवाल यह कि किसी की जान जाने के बाद ही प्रशासन सक्रिय क्यों होता है?

> **पतंगबाजी का शौक जब किसी की जिंदगी छीनने लगे, तो सवाल केवल प्रतिबंधित मांझे का नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का भी है। दिल्ली में मांझे से युवक की मौत ने एक बार फिर कानूनों के क्रियान्वयन की पोल खोल दी है। प्रतिबंध के बावजूद बाजारों में इसकी उपलब्धता बताती है कि सरकारी निगरानी और कार्रवाई में गंभीर खामियां हैं।**

चीनी मांझे की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर प्रतिबंध कोई नई बात नहीं है। इसके खतरों को लेकर लंबे समय से चेतावनी दी जाती रही है। नायलॉन तथा धातु, कांच जैसे पदार्थों से तैयार मांझा सामान्य सूती धागे की तुलना में अधिक धारदार और खतरनाक होता है। इससे न केवल दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों की जान को खतरा रहता है, बल्कि पक्षियों के घायल होने और उनकी मृत्यु की घटनाएं भी सामने आती हैं। इसके बावजूद प्रतिबंधित मांझे की उपलब्धता यह बताती है कि कानून बनाने और उसका पालन सुनिश्चित करने के बीच बड़ी खाई मौजूद है। यदि किसी वस्तु की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध है, तो उसका खुले बाजार तक पहुंचना प्रशासनिक निगरानी की कमजोरी को दर्शाता है। दुकानों का नियमित निरीक्षण, आपूर्ति के स्रोतों की पहचान और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई जरूरी है। विडंबना यह है कि ऐसे हादसों के बाद कुछ समय के लिए प्रशासनिक सक्रियता दिखाई देती है। छापेमारी होती है, चेतावनियां जारी की जाती हैं और कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है। इस तरह की अस्थायी सख्ती से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सबसे जरूरी यह है कि प्रतिबंधित मांझे की पूरी आपूर्ति श्रृंखला पर निगरानी रखी जाए। इसका निर्माण करने वालों से लेकर थोक विक्रेताओं और खुदरा दुकानदारों तक की पहचान की जाए। जिन क्षेत्रों में इसकी बिक्री की शिकायतें मिलती हैं, वहां नियमित जांच और निगरानी होनी चाहिए। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई जरूरी है, जिससे दूसरों को भी स्पष्ट संदेश मिले कि नागरिकों की जान जोखिम में डालने की छूट किसी को नहीं है। इसके साथ ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। केवल दुकानों पर छापेमारी करना पर्याप्त नहीं है। प्रतिबंधित मांझा कहां से आ रहा है, इसका वितरण किन माध्यमों से हो रहा है और इसकी ऑनलाइन बिक्री किस तरह हो रही है, इन सभी पहलुओं की जांच आवश्यक है। पतंगबाजी करने वालों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाला कोई भी साधन दूसरों के जीवन के लिए खतरा नहीं बनना चाहिए। सुरक्षित सूती धागे के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और प्रतिबंधित मांझे के नुकसान के प्रति जागरूकता फैलाने की जरूरत है। स्कूलों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निकायों को भी इस दिशा में भागीदारी निभानी चाहिए। यह समस्या केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों में पतंगबाजी के दौरान जानलेवा मांझे से दुर्घटनाएं होती रही हैं। विशेषकर त्योहारों और पतंगबाजी के अवसरों पर प्रशासन को पहले से सतर्क रहना चाहिए। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ाने, प्रतिबंधित सामग्री की बिक्री रोकने और नागरिकों को जागरूक करने के लिए समयबद्ध अभियान चलाने की आवश्यकता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि दुर्घटना की स्थिति में पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो। दोपहिया वाहन चालकों को भी सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा के लिए केवल नागरिकों को सावधान रहने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है।

मुस्कान के पीछे छिपे अवसाद को समझना भी जरूरी

आज के दौर में खुश दिखाई देना भी जैसे सामाजिक अपेक्षा बन गया है। व्यक्ति से उम्मीद की जाती है कि वह हर परिस्थिति में मुस्कुराए, सकारात्मक रहे, अपनी जिम्मेदारियां निभाए और सफलता की दौड़ में पीछे न छूटे। लेकिन इस बाहरी प्रसन्नता के पीछे मन की वास्तविक स्थिति क्या है, इस पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। कई बार जो व्यक्ति दूसरों को हंसाता है, महफिलों में उत्साह भरता है और हर किसी को प्रेरित करता दिखाई देता है, वही भीतर गहरे भावनात्मक संघर्ष से गुजर रहा होता है। उसकी मुस्कान दुनिया के लिए होती है, जबकि उसकी उदासी उसके अपने भीतर कैद रहती है। मानसिक स्वास्थ्य की इसी अनदेखी स्थिति को आम बोलचाल में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाता है।

यह स्थिति हमारे सामाजिक व्यवहार और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बनी धारणाओं पर भी सवाल खड़े करती है। हम अक्सर किसी व्यक्ति की खुशहाली का आकलन उसके चेहरे, सामाजिक सक्रियता और उपलब्धियों से करने लगते हैं। मान लेते हैं कि जो व्यक्ति नियमित रूप से काम पर जा रहा है, लोगों से मिल रहा है, हंस-बोल रहा है और अपनी जिम्मेदारियां निभा रहा है, वह मानसिक रूप से भी स्वस्थ होगा। जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग हो सकती है। बाहरी सामान्यता हमेशा भीतर की भावनात्मक स्थिरता का प्रमाण नहीं होती। स्माइलिंग डिप्रेशन कोई अलग औपचारिक चिकित्सकीय निदान नहीं है, बल्कि अवसाद की उन अभिव्यक्तियों को समझने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लोकप्रिय शब्द है, जिनमें व्यक्ति भीतर से उदासी, निराशा और मानसिक पीड़ा अनुभव करने के बावजूद बाहर से सामान्य या प्रसन्न दिखाई देता है। ऐसे लोग अपनी तकलीफ को दूसरों से छिपाने में इतने अभ्यस्त हो जाते हैं कि कई बार उनके निकट संबंधी भी उनकी वास्तविक स्थिति का अंदाजा नहीं लगा पाते।

इस व्यवहार के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव, करियर की अनिश्चितता, आर्थिक चिंताएं, रिश्तों में तनाव, अकेलापन और असफलता का भय व्यक्ति को अपनी भावनाएं छिपाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि अपनी परेशानी बताने से उनकी छवि कमजोर हो जाएगी। उन्हें डर रहता है कि लोग उन्हें असफल, नकारात्मक या भावनात्मक रूप से कमजोर समझेंगे। कई बार वे दूसरों पर बोझ नहीं बनना चाहते और अपनी तकलीफ को स्वयं तक सीमित रखते हैं।



खुश दिखने का बढ़ता सामाजिक दबाव

आधुनिक जीवन की प्रतिस्पर्धा ने व्यक्ति के सामने केवल सफल होने की चुनौती नहीं रखी है, बल्कि हर समय सफल और संतुष्ट दिखाई देने का दबाव भी पैदा किया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और जटिल बना दिया है। वहां जीवन का वास्तविक संघर्ष कम और उसकी आकर्षक प्रस्तुति अधिक दिखाई देती है। तस्वीरों में मुस्कान, संदेशों में सकारात्मकता और पोस्ट में उपलब्धियों का प्रदर्शन होता है, लेकिन इनके पीछे छिपी बेचैनी, असुरक्षा और भावनात्मक थकान सामने नहीं आ पाती। धीरे-धीरे व्यक्ति अपने वास्तविक व्यक्तित्व और दूसरों के सामने प्रस्तुत किए जाने वाले व्यक्तित्व के बीच दूरी बनाने लगता है। वह अपनी परेशानियों को स्वीकार करने के बजाय स्वयं को समझाता रहता है कि सब ठीक है। दूसरों की तुलना में उसकी जिंदगी बेहतर है, इसलिए उसे शिकायत नहीं करनी चाहिए। उसे हर परिस्थिति में मजबूत बने रहना है। इस तरह भावनाओं को दबाने की आदत विकसित हो जाती है। लेकिन भावनाओं को लगातार दबाना मानसिक संघर्ष का समाधान नहीं है। मन की पीड़ा को अनदेखा करने से वह समाप्त नहीं होती, बल्कि कई बार और गहरी हो जाती है। लगातार उदासी, खालीपन, थकान, नींद और भूख में बदलाव, एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन, निरर्थकता का एहसास और पहले पसंद आने वाली गतिविधियों में रुचि कम होना ऐसे संकेत हो सकते हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि प्रत्येक व्यक्ति में इन लक्षणों का स्वरूप अलग हो सकता है और केवल कुछ संकेतों के आधार पर अवसाद का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। लेकिन यदि ये परेशानियां लगातार बनी रहें और दैनिक जीवन को प्रभावित करने लगें, तो उन्हें सामान्य मनोदशा समझकर नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

समाज को बदलनी होगी अपनी सोच

इस अदृश्य मानसिक संघर्ष को बढ़ाने में सामाजिक सोच की भी भूमिका है। हम सफलता का उत्सव मनाने में आगे रहते हैं, लेकिन किसी के संघर्ष को सुनने और समझने के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाते। किसी की उपलब्धि पर तालियां बजाना आसान है, मगर उसकी बेचैनी को समझने के लिए धैर्य और संवेदनशीलता चाहिए। अक्सर किसी परेशान व्यक्ति की बात सुनने से पहले ही उसे सलाह दी जाने लगती है। सकारात्मक सोचो, व्यस्त रहो, सब ठीक हो जाएगा या दूसरों से तुलना मत करो जैसी बातें कहकर हम अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेते हैं। जबकि कई बार व्यक्ति को सलाह से अधिक किसी ऐसे साथी की जरूरत होती है, जो बिना निर्णय सुनाए उसकी बात सुन सके। किसी की पीड़ा को छोटा बताना, उसकी भावनाओं को नकारना या उसे कमजोर समझना समस्या को कम नहीं करता। उलटे व्यक्ति अपनी बात कहने से और दूर हो सकता है। हमें समझना होगा कि हर उदासी कमजोरी नहीं होती, हर खामोशी सहमति नहीं होती और हर मुस्कान खुशहाली का प्रमाण नहीं होती। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील समाज वही है, जो व्यक्ति को केवल उसके व्यवहार से नहीं, बल्कि उसकी भावनाओं और परिस्थितियों के संदर्भ में समझने का प्रयास करे।

मदद मांगना कमजोरी नहीं, समझदारी है

स्माइलिंग डिप्रेशन जैसी स्थितियों के संदर्भ में सबसे जरूरी है कि मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बातचीत हो। सहायता लेने को लेकर समाज में जो संकोच और पूर्वाग्रह हैं, उन्हें समाप्त करना होगा। यदि कोई व्यक्ति लगातार उदासी, निराशा, खालीपन, थकान या जीवन में रुचि की कमी महसूस कर रहा है और इसका असर उसकी दिनचर्या पर पड़ रहा है, तो मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से परामर्श लेना महत्वपूर्ण है। मानसिक स्वास्थ्य की सहायता लेना कमजोरी का नहीं, बल्कि स्वयं के प्रति जिम्मेदारी का परिचायक है। परिवार, मित्रों और कार्यस्थलों को ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए, जहां व्यक्ति बिना किसी भय या संकोच के अपनी परेशानियां साझा कर सके। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को यह समझाना जरूरी है कि जीवन में हर समय सफल, प्रसन्न और आत्मविश्वासी दिखाई देना आवश्यक नहीं है। असफलता, निराशा और भावनात्मक उतार-चढ़ाव भी जीवन का हिस्सा हैं। हमें अपने आसपास के लोगों के साथ संवाद को अधिक आत्मीय और संवेदनशील बनाना होगा। किसी के व्यवहार में अचानक बदलाव दिखाई दे, वह लगातार थका हुआ या अलग-थलग रहने लगे अथवा अपनी पसंदीदा गतिविधियों से दूरी बनाने लगे, तो उससे सहजता से बात करनी चाहिए। उसकी बात सुनना, जरूरत पड़ने पर पेशेवर सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना और उसके साथ बने रहना महत्वपूर्ण है। दरअसल, मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता का विषय भी है। एक ऐसा समाज, जहां व्यक्ति को हर समय खुश दिखने की मजबूरी हो, वहां उसकी वास्तविक पीड़ा अक्सर अनसुनी रह जाती है। हमें ऐसी सोच विकसित करनी होगी, जिसमें मुस्कान के साथ आंसुओं के लिए भी जगह हो और जहां किसी की परेशानी को कमजोरी के बजाय मानवीय अनुभव समझा जाए। जीवन में मुस्कुराना खूबसूरत है, लेकिन हर मुस्कान के पीछे छिपे मन को समझना उससे भी अधिक जरूरी है। कई बार किसी व्यक्ति को टूटने से बचाने के लिए बड़े समाधान नहीं, बल्कि भरोसे से भरा रिश्ता, धैर्यपूर्वक सुनी गई उसकी बात और समय पर मिला भावनात्मक सहारा पर्याप्त होता है। शायद सच्ची संवेदनशीलता इसी में है कि हम किसी की मुस्कान के पार देख सकें और आत्मीयता से पूछ सकें—तुम सच में ठीक हो न...?

डॉ. जितेन्द्र लोढ़ा
स्वतंत्र लेखक, प्रेरक वक्ता, स्तंभकार एवं कॉलेज शिक्षा, राजस्थान में शिक्षक प्रशिक्षक हैं।



भारी निर्माण मशीनों में आत्मनिर्भरता की राह अब भी चुनौतीपूर्ण

देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार हो रहा है। सड़क, रेल, मेट्रो, बंदरगाह और आवासीय परियोजनाओं पर बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। लेकिन इस विकास यात्रा की एक बड़ी विडंबना यह है कि जिन भारी मशीनों के सहारे ये परियोजनाएं आकार ले रही हैं, उनके लिए भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल आर्थिक दृष्टि से चिंता का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता के लिहाज से भी गंभीर चुनौती है। इसी संदर्भ में केंद्रीय कैबिनेट का बुनियादी ढांचे के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली भारी मशीनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 11 हजार करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी देना महत्वपूर्ण है। यह फैसला निश्चित रूप से सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी पहल की आवश्यकता पहले क्यों नहीं समझी गई? आखिर क्या वजह रही कि देश के उद्यमियों ने बढ़ते बाजार और संभावनाओं के बावजूद इस क्षेत्र में अपेक्षित रुचि नहीं दिखाई? दरअसल, इन्फ्रा टूल्स के नाम से पहचानी जाने वाली भारी निर्माण मशीनें किसी भी आधुनिक अर्थव्यवस्था के विकास की बुनियादी जरूरत हैं। क्रेन, बुलडोजर, टनल बोरिंग मशीन और अन्य निर्माण उपकरणों के बिना बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की कल्पना नहीं की जा सकती। इसके अलावा ऊंची इमारतों में इस्तेमाल होने वाली लिफ्ट, अग्निशमन प्रणाली और बिजली पारेषण से जुड़े उपकरण भी आधुनिक विकास के महत्वपूर्ण अंग हैं। भारत में इन सभी क्षेत्रों में मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन घरेलू उत्पादन उस अनुपात में विकसित नहीं हो पाया है।

चीन पर निर्भरता बनी बड़ी कमजोरी

इसका सबसे बड़ा परिणाम चीन पर बढ़ती निर्भरता के रूप में सामने आया है। चीन न केवल भारी मशीनों और उपकरणों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, बल्कि इनके कलपुर्जों की उपलब्धता भी काफी हद तक उसी पर निर्भर है। इस निर्भरता का नुकसान तब सामने आता है, जब चीन निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है या आपूर्ति में बाधाएं पैदा करता है। इससे भारत की निर्माण परियोजनाओं की लागत और समयसीमा दोनों प्रभावित हो सकती हैं। किसी भी देश के लिए यह स्थिति उचित नहीं कही जा सकती कि उसकी विकास परियोजनाओं की गति दूसरे देश की आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भर हो। विशेषकर तब, जब संबंधित उत्पादों की घरेलू मांग पर्याप्त हो और उनके निर्माण की संभावनाएं भी मौजूद हों। ऐसे में सरकार की नई प्रोत्साहन योजना को केवल उद्योगों को आर्थिक सहायता देने के उपाय के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसका व्यापक उद्देश्य देश में ऐसी औद्योगिक क्षमता विकसित करना होना चाहिए, जो भविष्य में भारत को बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सके। हालांकि इसके लिए केवल सरकारी प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं होगा। उद्योग जगत को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यह आश्चर्यजनक है कि हमारे उद्यमियों ने क्रेन, बुलडोजर, सुरंग निर्माण मशीनों और अन्य भारी उपकरणों के निर्माण में समय रहते निवेश क्यों नहीं किया।

नेबर फर्स्ट नीति की अगली बड़ी परीक्षा बांग्लादेश

डॉ. आनंद कुमार

किसी देश की वैश्विक ताकत का आकलन केवल उसकी आर्थिक और सैन्य क्षमता से नहीं होता, बल्कि इस बात से भी होता है कि उसका निकटवर्ती क्षेत्र उसके प्रति कितना भरोसा रखता है। भारत के लिए यह चुनौती और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि दक्षिण एशिया में उसकी भौगोलिक, आर्थिक और सामरिक स्थिति उसे क्षेत्रीय स्थिरता की स्वाभाविक धुरी बनाती है। ऐसे में पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध केवल विदेश नीति का लक्ष्य नहीं, बल्कि भारत के दीर्घकालीन राष्ट्रीय हितों की अनिवार्य शर्त भी हैं।

मई 2014 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार के गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'पड़ोस प्रथम' नीति को विदेश नीति की प्रमुख प्राथमिकता बनाया। इसका उद्देश्य पड़ोसी देशों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना तथा भारत की विकास यात्रा में पूरे क्षेत्र को सहभागी बनाना था। इसके पीछे स्पष्ट सोच थी कि भारत का वैश्विक शक्ति के रूप में उभार तभी टिकाऊ हो सकता है, जब उसके आसपास का क्षेत्र शांतिपूर्ण, स्थिर और आर्थिक रूप से मजबूत हो। बीते 12 वर्षों में इस नीति के सामने कई चुनौतियां आईं। पड़ोसी देशों की आंतरिक राजनीति, चीन का बढ़ता प्रभाव और क्षेत्रीय अस्थिरता ने भारत के लिए कूटनीतिक परिस्थितियों को जटिल बनाया। इसके बावजूद हाल के घटनाक्रम संकेत देते हैं कि भारत ने अधिकांश पड़ोसी देशों के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। नेपाल, श्रीलंका और मालदीव के साथ संबंधों में आया सकारात्मक बदलाव इसका उदाहरण है। हालांकि बांग्लादेश के साथ रिश्तों को सामान्य बनाना अब भारत की सबसे बड़ी क्षेत्रीय कूटनीतिक चुनौती बन गया है।

बांग्लादेश में बदले राजनीतिक समीकरण

शेख हसीना के शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंधों ने नई ऊंचाइयां हासिल की थीं। दोनों देशों ने लंबे समय से लंबित विवादों को सुलझाने के साथ व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और संपर्क के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया।



बांग्लादेश ने पूर्वोत्तर भारत में सक्रिय उग्रवादी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई में सहयोग देकर भारत की महत्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को दूर करने में भूमिका निभाई। इसके बदले भारत ने बांग्लादेश को ऋण सहायता, बुनियादी ढांचा विकास, संपर्क परियोजनाओं और व्यापारिक अवसरों के विस्तार में सहयोग दिया।एक समय भारत-बांग्लादेश संबंधों को दक्षिण एशिया में सफल द्विपक्षीय साझेदारी के उदाहरण के रूप में देखा जाता था। लेकिन अगस्त 2024 में व्यापक घरेलू अशांति के बाद शेख हसीना की सत्ता से विदाई ने इस रिश्ते की दिशा बदल दी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच अविश्वास बढ़ने लगा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा, भारत विरोधी बयानबाजी, सीमा संबंधी घटनाओं और बाहरी शक्तियों के बढ़ते प्रभाव ने भारत की चिंताएं बढ़ाईं। बांग्लादेश में चुनाव के बाद तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार के गठन से भारत को उम्मीद थी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार का नया दौर शुरू होगा। नई दिल्ली ने भी सकारात्मक संकेत दिए और संबंधों को फिर से सामान्य बनाने की इच्छा जताई। इसके बावजूद राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव का असर अब तक अपेक्षित रूप से दिखाई नहीं दिया है। इससे स्पष्ट है कि केवल सरकार बदलने से दोनों देशों के बीच पैदा हुआ अविश्वास समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए निरंतर संवाद और ठोस विश्वास बहाली की जरूरत होगी।

श्रीलंका और मालदीव में बदली तस्वीर

बांग्लादेश के विपरीत मालदीव के साथ भारत के संबंधों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू वर्ष 2023 में 'इंडिया आउट' अभियान के आधार पर सत्ता में आए थे। उनके कार्यकाल की शुरुआत में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा, लेकिन बाद में दोनों पक्षों ने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया। अब आर्थिक सहयोग, विकास सहायता और व्यापार विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। हिंद महासागर में भारत और मालदीव की भौगोलिक निकटता दोनों देशों को एक-दूसरे के लिए महत्वपूर्ण बनाती है। समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक मार्गों की स्थिरता और क्षेत्रीय सामरिक संतुलन जैसे मुद्दों पर दोनों के हित जुड़े हुए हैं। इसलिए राजनीतिक मतभेदों के बावजूद सहयोग की आवश्यकता को दोनों देश समझ रहे हैं। श्रीलंका के साथ भारत के संबंधों में सुधार भी पड़ोस प्रथम नीति की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। आर्थिक संकट से पहले श्रीलंका ने चीन के साथ अपने आर्थिक और रणनीतिक संबंधों का विस्तार किया था। लेकिन वर्ष 2022 में गंभीर आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट के समय भरोसेमंद पड़ोसी का सहयोग कितना महत्वपूर्ण होता है। भारत ने उस कठिन दौर में वित्तीय सहायता और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के माध्यम से श्रीलंका की मदद की।

रामायण सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी भारतीय फिल्म बनी

पुष्पा 2 को पछाड़ा, कुल कलेक्शन 1,755 करोड़ हुआ; बाहुबली 2 से सिर्फ 32 करोड़ पीछे

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण सबसे ज्यादा कमाई करने वाली चौथी भारतीय फिल्म बन गई है। फिल्म ने 21 दिन में 1,755.60 करोड़ कमा लिए हैं। इसके साथ ही उसने ज्यादा कमाई के मामले में पुष्पा 2 को पीछे छोड़ दिया है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने बुधवार को भारत में 15,700 शोज से 9.60 करोड़ कमाए। इसमें हिंदी वर्जन में सबसे ज्यादा कलेक्शन हुआ। हिंदी में 6.75 करोड़, मलयालम में 1.10 करोड़, कन्नड़ में 75 लाख, तमिल में 70 लाख और तेलुगु में 30 लाख का नेट कलेक्शन हुआ। बॉक्स ऑफिस पर 21 दिन के बाद फिल्म की भारत में कुल कमाई 982.55 करोड़ पहुंच गई है। वहीं, इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 1,173.60 करोड़ हो गया है। विदेशों में फिल्म ने 21वें दिन 6 करोड़ कमाए। इसके साथ ओवरसीज ग्रॉस कलेक्शन 582 करोड़ पहुंच गया है।

बाहुबली का रिकॉर्ड तोड़ने से 32.46 करोड़ दूर

दुनियाभर में 1,755.60 करोड़ का कलेक्शन करने के बाद रामायण ने अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 के 1,742.10 करोड़ के लाइफटाइम कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है। अब रामायण सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की लिस्ट में चौथे नंबर पर पहुंच गई है।

रामायण को अब बाहुबली 2 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए 32.46 करोड़ और कमाने होंगे। बाहुबली 2 का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,788.06 करोड़ है। वहीं, धुरंधर 2 ने 1,813.39 करोड़ कमाए हैं।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का रिकॉर्ड दंगल के नाम है। इसने दुनियाभर में 2,000 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था।

रामायण की डबल डिजिट कमाई का सिलसिला टूटा

रामायण ने रिलीज के बाद लगातार 20 दिनों तक भारत में डबल डिजिट में नेट कलेक्शन किया। हालांकि, 21वें दिन फिल्म ने 9.60 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। जिससे पहली बार ऐसा हुआ, जब फिल्म की एक दिन की नेट कमाई 10 करोड़ से नीचे आई है। इससे पहले मंगलवार को फिल्म ने 17.50 करोड़ कमाए थे। इसके मुकाबले बुधवार की कमाई में 45.1त्न की गिरावट दर्ज की गई।

एक्सपर्ट से जानिए, हिट होने के लिए कितना कलेक्शन करना जरूरी

फिल्म और ट्रेड एक्सपर्ट सुमित कडेल ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि फिल्म हिट या फ्लॉप है, यह उसके डिस्ट्रीब्यूटर शेयर से तय होता है।

मेकर्स ने हाईकोर्ट में बताया है कि फिल्म रामायण के पहले पार्ट का बजट 2 हजार करोड़ है। इसके अनुसार, फिल्म को हिट होने के लिए हिंदी में कम से कम 1,100 करोड़ कमाने होंगे और वर्ल्डवाइड 2,800 करोड़ का कलेक्शन करना होगा। जब तक फिल्म इतनी कमाई नहीं करती, तब तक इसे हिट नहीं कहा जा सकता।

रणबीर राम, साई पल्लवी सीता और यश बने रावण

फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता और यश रावण के किरदार में नजर आए हैं। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है। इसे नमित मल्होत्रा ने प्रोड्यूस किया है।



अमित शाह से मिले रणबीर और साई पल्लवी

गृह मंत्री ने रामायण टीम को ग्लोबल सक्सेस पर बधाई दी; ऑस्कर की रेस में फिल्म

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को फिल्म रामायण की टीम से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने फिल्म की ग्लोबल सक्सेस पर मेकर्स को बधाई दी। इस बैठक में प्रड्यूसर नमित मल्होत्रा, डायरेक्टर नितेश तिवारी, अभिनेता रणबीर कपूर, अभिनेत्री साई पल्लवी और को-प्रड्यूसर नीरज संघई शामिल हुए। 5 नवंबर को दुनियाभर में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मजबूत प्रदर्शन करते हुए 21 दिनों में 1,755.60 करोड़ रुपए से अधिक का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।



अमित शाह ने कहा- आधुनिक तकनीक से नई पीढ़ी तक पहुंचे श्रीराम

मुलाकात के बाद अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए टीम को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि नई दिल्ली में फिल्म रामायण की टीम से मुलाकात हुई और धर्म व मर्यादा के प्रतीक भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े कर्तव्य, त्याग और सत्यनिष्ठा के आदर्शों को आधुनिक फिल्म निर्माण तकनीक के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचाने के इस प्रयास के लिए पूरी टीम को बधाई। मुलाकात के दौरान रामायण के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व पर बातचीत की गई। टीम के आधिकारिक अकाउंट द वर्ल्ड ऑफ रामायण ने भी गृह मंत्री से मुलाकात पर आभार जताया है।

गुरुद्वारा बंगला साहिब भी पहुंचे थे रणबीर, नितेश और नमित

अमित शाह से मुलाकात से ठीक एक दिन पहले बुधवार को रणबीर कपूर, डायरेक्टर नितेश तिवारी और प्रड्यूसर नमित मल्होत्रा ने दिल्ली स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा बंगला साहिब जाकर मत्था टेका था और फिल्म की सफलता के लिए अरदास की थी।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में आरोपी शूटर नाबालिग निकला

कोर्ट ने घटना के समय उम्र 17 साल 10 महीने मानी, स्कूल रिकॉर्ड से हुई पुष्टि

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में एक आरोपी शूटर को स्पेशल एमसीओसीए कोर्ट ने नाबालिग माना है। कोर्ट ने बुधवार को उसे आगे के आदेश के लिए जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश करने को कहा।

यह मामला 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई फायरिंग से जुड़ा है। आरोपी 30 नवंबर को 18 साल का होगा। वह इस केस में गिरफ्तार होने वाला पहला व्यक्ति था।

स्पेशल जज सत्यनारायण आर. नवंदर ने जुवेनाइल जस्टिस (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) एक्ट की धारा 9 के तहत उसकी उम्र की जांच के बाद यह आदेश दिया।

उम्र की जांच में जन्मतिथि 30 नवंबर 2008 मिली

आरोपी के पिता ने कोर्ट में याचिका देकर कहा था कि फायरिंग के समय उनका बेटा 18 साल से कम उम्र का था। इसलिए उसके खिलाफ किशोर न्याय कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके बाद कोर्ट ने इस दावे की जांच के आदेश दिए थे। बुधवार को पेश की गई रिपोर्ट में जांच अधिकारी ने आरोपी की जन्मतिथि 30 नवंबर 2008 बताई। पुलिस ने उम्र की पुष्टि के लिए स्कूल छोड़ने का प्रमाण-पत्र, सेकेंडरी परीक्षा का प्रमाण-पत्र और स्कूल के एडमिशन एवं विदड्रॉल रजिस्टर की जांच की।

पुलिस ने जन्म पंजीकरण रिकॉर्ड और जन्म प्रमाण-पत्र भी देखे। आरोपी ने अपने दावे के समर्थन में जन्म प्रमाण-पत्र और आधार कार्ड की फोटोकॉपी भी जमा की थी।

फायरिंग के समय आरोपी की उम्र करीब 17 साल 10 महीने थी। कोर्ट के आदेश के समय वह 5 दिन बाद 18 साल का होने वाला था।

पहले की अदालतों में उम्र का मुद्दा नहीं उठाया गया

कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को तीन अदालतों में पेश किया गया था। उसे 19 अक्टूबर को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार किया गया था। इन अदालतों में सोनीपत की ट्रांजिट मजिस्ट्रेट कोर्ट, मुंबई की एस्प्लेनेड स्थित एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट कोर्ट और स्पेशल एमसीओसीए कोर्ट शामिल थीं।

केस में सख्त एमसीओसीए कानून लगाए जाने के बाद उसे स्पेशल एमसीओसीए कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने पहले कहा था कि आरोपी या उसके वकीलों ने इन अदालतों के सामने उसकी उम्र का मुद्दा नहीं उठाया था।

आरोपी ने इसके उलट दावा किया कि पुलिसकर्मियों ने उसे नाबालिग होने की बात बताने से रोका था। उसने यह भी कहा कि उसे वकीलों से मिलने के पर्याप्त मौके नहीं दिए गए।



आरोपी के खिलाफ पहले मोटरसाइकिल चोरी का मामला भी दर्ज है। उसका दावा है कि जुवेनाइल कोर्ट ने उस केस में उसे बरी कर दिया था।

अक्षय कुमार को ट्विंकल खन्ना ने कहा अनूप जलोटा

बोलीं- सुबह 6 बजे कौन भजन बजाता है; बाथरूम का दरवाजा ठीक से बंद किया करो

अभिनेता अक्षय कुमार ने रवि किशन के साथ करण जौहर के शो कॉफी विद करण सीजन-9 के हालिया एपिसोड में शिरकत की। शो के दौरान अक्षय ने अपनी पत्नी ट्विंकल खन्ना को फोन लगाया और स्पीकर ऑन कर दिया।

हालांकि, फोन उठाते ही ट्विंकल ने सुबह 6 बजे भजन बजाने, जोर से गाने और बाथरूम का दरवाजा खुला छोड़ने को लेकर अक्षय को उनकी कई शिकायतें बताईं।

इतना ही नहीं, जब उन्हें पता चला कि अक्षय बिना फीस लिए शो में आए हैं, तो उन्होंने मजेदार तंज भी कसा।



'अनूप जलोटा की तरह गाते हो'

एक चैलेंज के तहत पांच अंक हासिल करने के लिए अक्षय को फोन पर किसी से खास वाक्य बुलवाना था, जिसके लिए उन्होंने ट्विंकल को कॉल किया। फोन पर अक्षय ने जब प्यार से बात करने को कहा, तो ट्विंकल ने अपनी नींद खराब होने की शिकायत की।

उन्होंने कहा, मैं पिछली रात मुश्किल से सो पाई थी। फिर तुमने सुबह-सुबह मुझे उठा दिया। आखिर सुबह 6 बजे कौन भजन बजाता है? और ऊपर से तुम उससे भी तेज गाने लगते हो, जैसे तुम अनूप जलोटा हो। मैंने तुम्हें कितनी बार कहा है कि कम से कम बाथरूम का दरवाजा ठीक से बंद किया करो।

फी में शो करने पर ट्विंकल बोलीं- मैं हैरान हूं

बातचीत के दौरान जब ट्विंकल को पता चला कि अक्षय कॉफी विद करण के सेट पर हैं, तो उन्होंने बताया कि हाल ही में करण ने उन्हें इस एपिसोड का रैपिड फायर राउंड जज करने के लिए कहा था। इसके बाद ट्विंकल ने हैरानी जताते हुए कहा, लेकिन मुझे नहीं पता था कि तुम आज शो कर रहे हो। ओह, तुम यह शो फ्री में कर रहे हो। मैं हैरान हूं। इस पर करण जौहर ने चुटकी लेते हुए पूछा, अच्छा, तो क्या तुम हर चीज के लिए पैसे चाहती हो? इसके बाद ट्विंकल ने गेम पूरा करते हुए तय लाइन भी बोली और गिफ्ट हैंपर में बिर्किन बैग जोड़ने की फरमाइश भी कर डाली।

1990 के दशक में शुरू हुई थी अक्षय-ट्विंकल की प्रेम कहानी

अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना के बीच 1990 के दशक के आखिर में इंटरनेशनल खिलाड़ी और जुल्मी जैसी फिल्मों के दौरान नजदीकियां बढ़ी थीं।

डिंपल कपाड़िया की शर्त पर एक साल लिव-इन में रहने के बाद दोनों ने 17 जनवरी 2001 को शादी की थी, और इनके दो बच्चे आरव व नितारा हैं।

पाकिस्तानी क्रिकेटर की शादी में गले मिले हनी सिंह-आतिफ असलम

होस्ट बोले- भारत में पाकिस्तानी सीरीज पर बैन की मांग

भारतीय रैपर और सिंगर हनी सिंह और पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम दुबई की एक शादी में डांस करते नजर आए। कार्यक्रम के दौरान हनी और आतिफ एक-दूसरे के गले भी मिले। यह शादी पाकिस्तानी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बिलाल आसिफ की थी। दुबई में हुए इस समारोह को सादिक सलीम ने होस्ट किया था। उन्होंने ही सोशल मीडिया पर हनी सिंह और आतिफ असलम की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। अपनी पोस्ट में सादिक ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तानी सीरीज को रोकने के लिए शिकायत दर्ज कराई जा रही है, वहीं दूसरी तरफ दुबई में संगीत, दोस्ती और खुशियों का जश्न मनाया जा रहा है। ऐसा सिर्फ दुबई में ही हो सकता है। सादिक ने अपनी पोस्ट में बताया कि हनी सिंह पूरे जोश के साथ समारोह में पहुंचे। वहीं, आतिफ असलम अपने कॉन्सर्ट की रिहर्सल के बाद शादी में पहुंचे थे। उन्होंने पहले ही इस समारोह में आने का वादा किया था। सादिक ने दोनों की साथ में डांस करते हुए तस्वीर शेयर की। उन्होंने लिखा कि उन्हें यह देखकर अच्छा लगा कि दोनों पाकिस्तानी सिंगर अबरार-उल-हक के गानों पर भी थिरक रहे थे।

सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो पर हो रहा विवाद

नेटफ्लिक्स की पाकिस्तानी सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो का ट्रेलर 24 नवंबर को रिलीज हुआ था। इसके बाद भारत में इसकी रिलीज को लेकर विवाद शुरू हो गया। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने 24 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेटफ्लिक्स इंडिया को पत्र लिखकर सीरीज की भारत में रिलीज रोकने की मांग की।





टीम में वापसी के बारे में नहीं सोच रहे शमी

● नई दिल्ली

भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया में वापसी को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं होने की बात कही है।

शमी का कहना है कि अब वह अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं। उनका पूरा ध्यान अपने खेल पर है और वह बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट तथा आईपीएल में खेलकर अपने बचे हुए क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं। 36 वर्षीय शमी ने कहा कि उन्होंने अब आने वाले विश्व कप की गिनती करना बंद कर दिया है। चयन का फैसला चयनकर्ताओं पर छोड़ दिया है। उनका लक्ष्य सिर्फ अपनी लय और फिटनेस बनाए रखना है। शमी ने कहा, मैंने अब इन सब चीजों को सोचना बंद कर दिया है। फिलहाल मेरा ध्यान अपने खेल पर है। चयनकर्ता जो भी फैसला करेंगे, वह बेहतर होगा। मेरी तरफ से कोशिश यही रहेगी कि मैं लगातार खेलता रहूं, अपनी लय बनाए रखूं और कम से कम राज्य की टीम और आईपीएल में खेलता रहूं।

चयनकर्ताओं पर छोड़ा फैसला

शमी ने आखिरी बार 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। उन्होंने इस सीजन रणजी ट्रॉफी के पहले चरण में बंगाल का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। वह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी बंगाल की ओर से खेले, लेकिन गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में राजस्थान के खिलाफ हार के साथ बंगाल का सफर समाप्त हो गया।

टॉम लाथम और ब्लंडेल ने लगाया अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने पहले दिन 5 विकेट पर बनाए 246 रन



ब्लंडेल और फिलिप्स की जोड़ी क्रीज पर टिकी

न्यूजीलैंड के तीसरे सेशन की शुरुआत में ही झटका लग गया। वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर डैरेल मिचेल लेग स्लिप में कैच दे बैठे। उन्होंने 31 रन बनाए। 184 रनों पर 5वां झटका लगने के बाद ग्लेन फिलिप्स ने टॉम ब्लंडेल का साथ निभाया। अपना 50वां टेस्ट खेल रहे ब्लंडेल ने स्टंप से पहले अपनी फिफ्टी पूरी की। दोनों बल्लेबाज 62 रनों की साझेदारी बना चुके हैं। आकाश दीप को दो जबकि अंशुल कंबोज, वॉशिंगटन सुंदर और गुरनूर बरार को 1-1 विकेट मिला है। जसप्रीत बुमराह ने 19 ओवर में 37 रन ही दिए लेकिन विकेट नहीं ले पाए।

● क्राइस्टचर्च

भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के पहले दिन कांटे की टक्कर देखने को मिली। हेगली ओवल के मैदान पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीता और न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया।

इस मैदान पर पहले बैटिंग करना हमेशा मुश्किल रहता है। हालांकि पहले दिन स्टंप तक न्यूजीलैंड ने 5 विकेट खोकर 246 रन बना लिए हैं। टॉम ब्लंडेल 53 जबकि ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर टिके हैं। न्यूजीलैंड को सलामी बल्लेबाज टॉम लाथम को अंपायर ने पहले ही ओवर में एलबीडब्ल्यू करार दे दिया। हालांकि डीआरएस की वजह से वह बच गए। इसके बाद उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई।

भारतीय पेस अटैक को शुरुआत में हवा में और पिच के बाहर कुछ मूवमेंट मिला, लेकिन लाथम और कॉन्वे की जोड़ी ने कोई मौका नहीं दिया। पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़े। कॉन्वे 31 रन बनाकर सेशन की आखिरी गेंद पर आउट हुए। डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने उन्हें एलबीडब्ल्यू किया।

दूसरे सेशन में भारत को तीन विकेट मिले

दूसरे सेशन की शुरुआत टॉम लाथम और हेनरी निकोल्स ने संभलकर की। दोनों ने टीम को 100 के पार पहुंचाया और लाथम ने अपनी फिफ्टी भी पूरी की। इस साझेदारी को आकाश दीप ने तोड़ा। आकाश दीप ने लाथम को 59 रनों के स्कोर पर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। इसके बाद अगले ही ओवर में अंशुल कंबोज ने निकोल्स (16) को आउट किया। रचिन रविंद्र को आकाश दीप ने खाता तक नहीं खोलने दिया। न्यूजीलैंड का स्कोर 110/1 से 110/4 हो गया।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड	रन	गेंद	4	6
लाथम कॉ. पंत बो.आकाश	59	128	6	0
कॉन्वे एलबीडब्ल्यू बो.ब्रार	31	79	4	0
निकोल्स कॉ.आकाश बो.कंबोज	16	46	1	0
रवींद्र कॉ.पंत बो.आकाश	0	9	0	0
मिचेल कॉ.जुरेल बो.सुंदर	31	74	4	0
ब्लंडेल नाबाद	53	117	6	0
फिलिप्स नाबाद	36	64	5	0

अतिरिक्त: 20, कुल रन: 246-5 (85.0)बल्लेबाजी शेष: स्मिथ, जेमीसन, हेनरी, डफी **विकेट पतन:** 77-1,110-2,110-3,110-4,184-5. गेंदबाज- बुमराह: 19-4-37-0, कंबोज: 17-5-56-1, आकाश: 21-6-52-2, ब्रार: 19-4-52-1, सुंदर: 9-1-36-1.

रोहित फिर बने मुंबई इंडियंस के कप्तान



● नई दिल्ली

मुंबई इंडियंस ने आखिरकार अपने फैंस के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए 27 नवंबर को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बड़ा ऐलान कर दिया है कि रोहित शर्मा आईपीएल 2027 में टीम के कप्तान होंगे।

रोहित एक बार फिर टीम की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। कप्तानी में इस बड़े बदलाव की नींव 16 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2027 मिनी-नीलामी से पहले हुए हाई-प्रोफाइल सौदे के साथ पड़ी थी। मुंबई इंडियंस ने अपने पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या को पंजाब किंग्स के साथ ट्रेड किया, जिसके बदले में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई के खेमे में शामिल हुए। हार्दिक पंड्या 2024 से 2026 तक तीन सीजन तक टीम से जुड़े रहे लेकिन आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस का सफर निराशाजनक रहा ।

कप्तानी के लिए फिर से तैयार रोहित

आगे की चुनौतियों और टीम के अंदाज पर जोर देते हुए रोहित शर्मा ने कहा, ''मैं 20वें सीजन, सामने आने वाली चुनौतियों और अपनी पलटन को जश्न मनाने के ढेरों मौके देने के लिए तैयार हूं। हमारा ध्यान अपनी ब्रांड की क्रिकेट खेलने, एक साथ मिलकर प्रतिस्पर्धा करने और खेल का आनंद लेने पर रहेगा।

रोहित के कप्तान बनने से खुश हैं नीता अंबानी

रोहित के आईपीएल 2027 के लिए एक बार फिर मुंबई के कप्तान बनने पर टीम की मालकिन नीता अंबानी बेहद खुश हैं। 2011 में टीम से जुड़ने के बाद से रोहित ने पांच आईपीएल खिताब जिताने और जीतने में अहम भूमिका निभाई है। रोहित के सफर और उनकी वापसी पर खुशी जताते हुए नीता अंबानी ने कहा, हमने 2011 में रोहित के लिए बोली लगाई थी और उसी पल से वह हमारे मुंबई इंडियंस परिवार का हिस्सा बन गए। मुझे आज भी वह युवा रोहित याद है जो हमसे जुड़ा था, और सालों तक उन्हें एक क्रिकेटर, चैंपियन, लीडर और एक शानदार पारिवारिक व्यक्ति के रूप में देखना मेरे लिए बेहद खुशी और सौभाग्य की बात रही है।

बुमराह ने मुंबई का उपकप्तान बनने से किया इनकार



जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के सबसे महत्वपूर्ण प्लेयर्स में से एक हैं, जो अपने दम पर हारी हुई बाजी को पलटने का दम रखते हैं। फ्रेंचाइजी ने उन्हें 2025 के मेगा ऑक्शन में 18 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, जबकि हार्दिक, रोहित और सूर्यकुमार ने टीम के साथ बने रहने के लिए अपनी सैलरी में कटौती की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुंबई इंडियंस के शीर्ष नेतृत्व ने बुमराह को उप-कप्तान बनने का प्रस्ताव दिया था। बुमराह ने विनम्रतापूर्वक इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया, ये तो वही अच्छे से जानते हैं। हालांकि पिछले संस्करण जब कप्तान की गैरमौजूदगी में उन्हें कप्तानी करनी पड़ी थी, तब उन्होंने एक एक दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कहा था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुंबई इंडियंस का कप्तान बनने से पहले मैं टेस्ट कप्तान बन जाऊंगा।

ब्रीफ न्यूज

एलएनसीटी में अस्मिता रग्बी स्टेट टूर्नामेंट आज से होगा

भोपाल, खेल संवाददाता। महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उनकी खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से अस्मिता राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता का आयोजन 28 एवं 29 नवंबर को एलएनसीटी, रायसेन रोड़ केम्पस में किया जा रहा है। रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन मध्य प्रदेश के अध्यक्ष राजेश सिंह कुशवाह ने बताया कि अस्मिता रग्बी स्टेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 नवंबर को सुबह 10 बजे करेंगे। संगठन के सचिव अबरार एहमद शेख ने बताया कि यह प्रतियोगिता रग्बी इंडिया के मार्गदर्शन में रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन - मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसमें एलएनसीटी भोपाल आयोजन स्थल एवं सहयोगी संस्थान के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों की बालिका खिलाड़ी अंडर-15 एवं अंडर-18 आयु वर्ग में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

आइसलैंड फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर जोनसन का निधन

नई दिल्ली, आरएनएन। आइसलैंड फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर इंगवार जोनसन का 37 साल की उम्र में निधन हो गया। वह 2016 में हुए यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2016) में आइसलैंड की टीम का हिस्सा थे। इसी टूर्नामेंट में आइसलैंड ने प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। जोनसन के निधन की जानकारी उनके पूर्व क्लब विकिंगुर ने गुरुवार को दी। क्लब के मुताबिक, उन्होंने बुधवार 25 नवंबर को अपने परिवार और करीबियों के बीच अंतिम सांस ली। हालांकि, क्लब ने उनके निधन का कारण नहीं बताया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जोनसन को इसी साल कैंसर होने का पता चला था।

रिजिजू ने ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर से की मुलाकात



नई दिल्ली, आरएनएन। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत की स्टार निशानेबाज और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर से खास मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मनु भाकर को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी अपनी उपलब्धियों से देश का नाम रोशन करती रहेंगी। रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मनु भाकर के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने पोस्ट में लिखा, भारत की दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर से मिलकर अच्छा लगा।

सुपर लीग में मुंबई के लिए खेलेंगे अय्यर

● मुंबई



सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सुपर लीग चरण में मुंबई की टीम का हिस्सा बन सकते हैं। टूर्नामेंट का सुपर लीग चरण 30 नवंबर से नागपुर में शुरू होगा। अय्यर की वापसी से मुंबई की बल्लेबाजी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रेयस अय्यर सुपर लीग चरण में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में खेलेंगे। सूर्यकुमार ने ग्रुप स्टेज में मुंबई की टीम की अगुआई की थी। मुंबई ने ग्रुप डी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सात में से छह मुकाबले जीते और अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। उसके साथ विदर्भ की टीम ने भी सुपर लीग चरण के लिए क्वालिफाई किया। श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड दौरे के व्हाइट बॉल चरण के बाद पहली बार मैदान पर उतरेंगे।

पाकिस्तान एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में

बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

● नई दिल्ली

एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ए ने बांग्लादेश ए को पांच विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को दोहा में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने 28 गेंद शेष रहते 233 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की जीत में शाहजेब खान और हसन नवाज ने अर्धशतकीय पारियां खेलकर अहम योगदान दिया। अब खिताबी मुकाबले में पाकिस्तान ए का सामना श्रीलंका ए से होगा।मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ए की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए। टीम की ओर से शाहदत हुसैन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 103 रन की शतकीय पारी खेली।



हसन नवाज और शाहजेब खान ने लगाया अर्धशतक

233 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए की शुरुआत अच्छी रही। टीम की ओर से हसन नवाज ने 62 रन और शाहजेब खान ने 50 रन की अर्धशतकीय पारियां खेलीं। दोनों बल्लेबाजों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद कप्तान अब्दुल समद और फरहान यूसुफ ने पारी को संभालते हुए टीम को जीत के करीब पहुंचाया। पाकिस्तान ए ने 45.2 ओवर में पांच विकेट खोकर 233 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

खिताब बचाने के करीब पहुंची त्रिसा और गायत्री की जोड़ी

सेमीफाइनल नें भिड़ेंगी तन्वी और उन्नति

● लखनऊ



गत चैंपियन त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को यहां सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार महिला युगल खिताब जीतने की ओर कदम बढ़ाया जबकि भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा महिला एकल सेमीफाइनल में आमने सामने होंगी।

त्रिसा और गायत्री की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की सातवीं वरीयता प्राप्त मार्गोट लैम्बर्ट और कैमिली पोगनांते के वॉकओवर देने से सेमीफाइनल में प्रवेश मिला। त्रिसा और गायत्री ने अगस्त में नयी दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। वहीं दूसरी वरीय तन्वी को इंडोनेशिया की नि काडेक धिंडा अमर्त्या प्रतिवी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने 21-19, 18-21, 21-14 से जीत दर्ज की। 17 वर्षीय तन्वी ने अगस्त में ताइपे ओपन सुपर 300 का खिताब जीतकर इस टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे कम उम्र की चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

उन्नति ने हमवतन अनमोल को हराया

तीसरी वरीय उन्नति ने हमवतन अनमोल खरब को 21-19, 15-21, 21-18 से हराया। उन्नति इस साल ताइपे ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थीं। अब सेमीफाइनल में तन्वी और उन्नति आमने-सामने होंगी जिससे महिला एकल में भारत की एक खिलाड़ी का फाइनल में पहुंचना तय हो गया है। दूसरे सेमीफाइनल में जापान की शीर्ष वरीय रिको गुंजी का सामना थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त सुपानिदा काटेथोंग से होगा। गुंजी ने 21-11, 21-11 की जीत से तस्नीम मीर का अभियान समाप्त किया। तस्नीम ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में स्कॉटलैंड की छठी वरीय क्रिस्टी गिल्मर को हराकर उलटफेर किया था।

ओवरटन के पंजे से जीता इंग्लैंड

● ब्रिस्बेन

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए इतिहास रच दिया। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में ओवरटन ने महज 12 रन देकर पांच विकेट हासिल किए। वह गाबा में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 16.5 ओवर में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। वह गाबा के मैदान पर टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में पांच विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित मुकाबले में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत मिले 93 रन के संशोधित लक्ष्य को तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया।

तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया

राजधानी (न्यू बॉम्बे)
दिन 248 = 4 रात 479 = 0
दिन 334 = 0 रात 268 = 6
शुभांक
दिन 160 = 7 रात 468 = 8
दिन 149 = 4 रात 348 = 5
भाग्यांक
2 4 8 9
www.kalyangame.com

अरेरा क्रिकेट एकेडमी ने दर्ज की 84 रनों की शानदार जीत

● भोपाल / खेल संवाददाता

ठाकुर हुकुम सिंह मेमोरियल ओपन ग्रुप (सुपर नॉकआउट) क्रिकेट टूर्नामेंट में अरेरा क्रिकेट एकेडमी ने वीएस क्रिकेट एकेडमी को 84 रनों के बड़े अंतर से शिकस्त दी।पहले बल्लेबाजी करते हुए अरेरा क्रिकेट एकेडमी ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 199 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

200 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी वीएस क्रिकेट एकेडमी की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 115 रन ही बना सकी। एक अन्य रोमांचक मुकाबले में स्पोर्ट्स एज भोपाल ने मीडिया इलेवन भोपाल को 2 विकेट से हराया। मीडिया इलेवन भोपाल की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 114 रनों का स्कोर खड़ा किया।



115 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्पोर्ट्स एज भोपाल को मीडिया इलेवन के अजय मौर्य ने घातक गेंदबाजी से 4 ओवरों में मात्र 17 रन देकर 5 विकेट लेकर बड़ा झटका दिया लेकिन निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए लोकेश ने 14 गेंदों में 4 चौकों की मदद से टीम की 2 विकेट के जीत दिलाई।

खुलासा सैंडपेपरगेट विवाद मामले में नाथन लियोन को लेकर बड़ा दावा

गेंद को चमकाने मिंट का दिया था सुझाव

● नई दिल्ली

सैंडपेपरगेट विवाद को लेकर उस्मान ख्वाजा द्वारा बताई गई कहानी के बाद एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं।

अब यह खबर आई है कि ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने कथित तौर पर इस विवाद के कुछ महीने बाद बॉल टैम्परिंग का सुझाव दिया था। नए खुलासे के तहत एक सीनियर खिलाड़ी ने अक्टूबर 2018 में यूएई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान गेंद को चमकाने के लिए मिंट या लॉलीपॉप के इस्तेमाल का सुझाव दिया था, जो दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के मुश्किल से छह महीने बाद हुआ था, जहां कैमरन बैनक्रॉफ्ट, डेविड वार्नर और स्टीव स्मिथ को सैंडपेपर विवाद के लिए सजा मिली थी। इस बात की पुष्टि उस्मान ख्वाजा ने की थी, जब वह कुछ दिन पहले एक पॉडकास्ट पर आए थे। एक ऑस्ट्रेलियन वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक, अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन ने गेंद को चमकाने के लिए मिंट या लॉलीपॉप इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था, जिस पर उस समय के कप्तान टिम पेन और कोच जस्टिन लैंगर ने उन्हें डांटा था।



ख्वाजा के दावे के बाद फिर सुर्खियों में आया विवाद

सैंडपेपर वाली बात उस्मान ख्वाजा के उस दावे के बाद फिर से सामने आई है कि 2018 दक्षिण अफ्रीका सीरीज के केप टाउन में तीसरे टेस्ट के दौरान पूरी टीम को सैंडपेपर के इस्तेमाल के बारे में पता था, जहां बैनक्रॉफ्ट को अपनी पैंट में सैंडपेपर छिपाते हुए देखा गया था। ख्वाजा ने यह भी कहा कि पोर्ट एलिजाबेथ में पिछले टेस्ट मैच के दौरान भी यह प्रैक्टिस चल रही थी। डेविड वार्नर, बैनक्रॉफ्ट और चैड सेयर्स ने भी इन दावों का समर्थन किया। हालांकि, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क ने ऐसी किसी भी जानकारी से इनकार किया और जोश हेजलवुड ने चेतावनी दी कि अगर कमिंस को कप्तान के पद से हटाया गया, तो वह रिटायरमेंट ले लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा को मिली नई गति, अगले साल शुरू होंगे दो बड़े अस्पताल

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर पश्चिमी और पश्चिमी दिल्ली में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए सिरसपुर और हस्तसाल में अस्पताल का निर्माण किया जा रहा है। इन दोनों अस्पतालों में कुल 1,815 बेड होंगे। इनका काम अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि अगले वर्ष अस्पताल शुरू हो जाएंगे। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर 40 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर अगले महीने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी की जयंती पर शुरू करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की। अधिकारियों को अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी सभी परियोजनाएं तय समय सीमा के अंदर पूरी करने का निर्देश दिया। कहा कि सिरसपुर में 1,164 बेड का अस्पताल तैयार हो चुका है। अस्पताल के लिए चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया चल रही है, जिसे जनवरी के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है। हस्तसाल में 651 बेड के अस्पताल का निर्माण भी लगभग पूरा होने को है। इसे भी अगले वर्ष शुरू कर दिया जाएगा। दिल्ली में कुल 1,139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर विकसित करने का लक्ष्य है, जिनमें 415 केंद्र शुरू हो गए हैं। अगले माह 40 अन्य केंद्र शुरू हो जाएंगे। अधिक रोगी आने वाले आरोग्य मंदिरों में दो पारियों में सेवा शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 तक मादीपुर और ज्वालापुरी में भी 691-691 बेड के अस्पताल तैयार हो जाएंगे। मादीपुर अस्पताल 466.50 करोड़ रुपये और ज्वालापुरी अस्पताल 484.04 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे हैं। पुराने अस्पतालों में भी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। रोहिणी स्थित बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में 463 बेड का मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक बन रहा है। ओपीडी ब्लॉक उद्घाटन के लिए तैयार है। राव तुला राम मेमोरियल अस्पताल में 270 बेड का मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक और लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, खिचड़ीपुर में 460 बेड का मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लाक लगभग पूरा हो चुका है। लोकनायक अस्पताल और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज परिसर के एकीकृत पुनर्विकास की योजना पर भी काम चल रहा है। परियोजना के तहत योजना और निर्माण सहित लगभग 30 माह की अवधि निर्धारित की गई है। यमुनापार के गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल, राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट और मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (आइएचबीएएस) को एक संस्थागत ढांचे के अंतर्गत लाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी अस्पताल, द्वारका और गुरु गोबिंद सिंह सरकारी अस्पताल में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की योजना है। दोनों में 150-150 एमबीबीएस सीटें प्रस्तावित हैं। बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज में सीटें 125 से बढ़ाकर 200 और मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान में 50 से बढ़ाकर 70 करने की प्रक्रिया चल रही है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी कर रहा है।

चांदनी चौक टाउन हॉल तीन माह में होगा बहाल, विरासत इमारतों की जांच होगी अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित 160 साल से अधिक पुराने ऐतिहासिक टाउन हाल के क्षतिग्रस्त हिस्से का जीर्णोद्धार तीन माह में किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली पर्यटन विभाग ने इसके लिए मैपिंग और सर्वे का काम शुरू कर दिया है। विशेषज्ञों की टीम ने परिसर में पहुंचकर क्षतिग्रस्त हिस्सों का आकलन शुरू कर दिया है। पहले चरण में मुख्य प्रवेश द्वार के पोर्च को उसके पुराने स्वरूप में बहाल किया जाएगा। इसके लिए मूल निर्माण सामग्री का इस्तेमाल होगा और पुरालेखों में उपलब्ध दस्तावेजों से पुराने स्वरूप का मिलान किया जाएगा। एमसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, टाउन हाल के दो प्रवेश हिस्सों को खतरनाक घोषित कर चिह्नित किया गया था। किसी हादसे की आशंका को देखते हुए इन हिस्सों की घेराबंदी कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य तौर पर विरासत इमारतों के जीर्णोद्धार के लिए विरासत संरक्षण समिति समेत संबंधित निकायों की अनुमति जरूरी होती है। लेकिन इमारत की मौजूदा स्थिति को देखते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर शुरू की जा रही है।

दिल्ली की सुरक्षा पर स्टडी में बड़ा खुलासा, 87.5 प्रतिशत महिलाओं को बस-मेट्रो स्टॉप तक पहुंचने में सताता है डर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा का सवाल केवल बसों, मेट्रो या सार्वजनिक परिवहन में सफर तक सीमित नहीं है। घर से निकलकर मेट्रो स्टेशन या बस स्टाप तक पहुंचने का रास्ता भी उनके लिए डर और असुरक्षा की वजह बना हुआ है। एक अध्ययन में सामने आया है कि दिल्ली में 87.5 प्रतिशत महिलाओं और लड़कियों को अपने नजदीकी सार्वजनिक परिवहन स्टाप तक पैदल जाने में असुरक्षा महसूस होती है। यानी सार्वजनिक परिवहन में सफर शुरू होने से पहले ही उनके सामने सुरक्षा की चुनौती खड़ी हो जाती है।



गंभीर सवाल उठाए गए

जेंडर समानता के लिए काम करने वाली संस्था सेंटर फार इक्विटी एंड इंक्लूजन (सीईक्यूआइएन) के अध्ययन के मुताबिक, 1,588 महिलाओं, लड़कियों और एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित इस अध्ययन में सार्वजनिक स्थानों की स्थिति, बुनियादी सुविधाओं और संस्थागत जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। अध्ययन के मुताबिक, 88.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं को अंधेरा होने के बाद नजदीकी सार्वजनिक पार्क में असुरक्षा महसूस होती है। तीन-चौथाई से अधिक लोगों ने फुटपाथों पर रोशनी की व्यवस्था बेहद खराब बताई। वहीं, 60 प्रतिशत लोगों के अनुसार फुटपाथ या तो टूटे हुए हैं या कई जगह मौजूद ही नहीं हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए रात के समय ही नहीं, दिन में भी पैदल आवाजाही मुश्किल हो जाती है।

सड़क पर बुनियादी सुविधाओं से ज्यादा व्यवहार की चुनौती

अध्ययन में सुरक्षा की समस्या के पीछे केवल खराब बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार नहीं माना गया है। करीब 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बताया कि पुरुषों का घूरना, फब्तियां कसना और पीछा करना उनके रोजमर्रा के सफर को असुरक्षित बनाता है। इससे स्पष्ट है कि सड़क पर बेहतर रोशनी और फुटपाथ बनाने के साथ सार्वजनिक व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है।

यही नहीं पता कि शिकायत कहां करें

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि 80.5 प्रतिशत लोगों को यह जानकारी ही नहीं है कि फुटपाथ, पार्क या सार्वजनिक स्थानों से जुड़ी उनकी शिकायतों के समाधान के लिए कौन सा सरकारी विभाग जिम्मेदार है। यानी समस्या का सामना करने के बाद भी उन्हें यह पता नहीं होता कि शिकायत लेकर कहां जाएं।

पुलिस की मौजूदगी में वीडियो कॉल पर बात कर सकेगा मुंबई हमले का आरोपी तहव्वुर राणा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई में साल 2008 में 26 नवंबर को हुए आतंकी हमले की बरसी से एक दिन पहले बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी की एक विशेष एनआईए अदालत ने हमले के आरोपित तहव्वुर हुसैन राणा को अपनी नवजात पोती को देखने के लिए वीडियो काल करने की अनुमति दे दी। वह 10 अप्रैल, 2025 से नई दिल्ली की तिहाड़ जेल की एक हाई-सिक्योरिटी सेल में बंद है। उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित करके भारत लाया गया था। राणा ने अमेरिका में अपने परिवार से वीडियो कॉल के जरिए बात करने की अनुमति मांगी थी। विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने आवेदन पर दलीलें सुनने के बाद, तहव्वुर हुसैन राणा को तिहाड़ जेल से 14 दिसंबर और चार जनवरी, 2027 को अपने परिवार के साथ 10 मिनट की वीडियो कॉल करने की अनुमति दे दी।

दिल्ली के लोगों को मिली प्रदूषण से थोड़ी राहत, अब एक्यूआई 222



नई दिल्ली,एजेंसी। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का ग्राफ एक बार फिर से लुढ़क गया है। इस बार एक्यूआई 222 है। जिससे यहां के लोगों को खासा राहत मिल रही है। राहत की बात यह है कि पिछले कई दिनों से एक्यूआई का ग्राफ लगातार गिर रहा है। इससे पहले, लंबे समय तक दिल्ली के लोग प्रदूषित आबोहवा में सांस लेने को मजबूर थे। लेकिन, अब वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है।

लोगों को मिलेगी राहत..: दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण हमेशा से ही चर्चा में रहा है। इस वजह से बच्चे, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन, अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से लगातार एक्यूआई में गिरावट दर्ज की जा रही है, उससे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को जरूर राहत मिलेगी।

इसके इतर, प्रशासन की ओर से भी प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं और ध्यान देने वाली बात है कि इन प्रयासों के नतीजे भी धरातल पर देखने को मिल रहे हैं।

प्रदूषण रोकने का पूरा खाका तैयार: हालांकि, यह प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। इसका बाकायदा खाका तैयार किया गया है, जिसके अनुरूप यह सबकुछ किया जा रहा है। दिल्ली में प्रदूषण होने के कई कारण हैं। खासकर पंजाब और हरियाणा के किसानों की ओर से पराली जलाना और इसके अलावा दिल्ली के भी अपने कई कारण है, जिस वजह से यहां का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। लोगों का सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। खासकर सर्दी के मौसम में स्थिति और ज्यादा बिगड़ जाती है। इन्हीं सब स्थिति को देखते हुए हालात ज्यादा ना बिगड़े। शासन की ओर से इसकी कार्ययोजना तैयार की जाती है और उसी के अनुरूप सभी कदम उठाए जाते हैं, ताकि किसी को भी कोई समस्या नहीं हो।

दिल्ली में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 283 ग्राम हेरोइन के साथ पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार



नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनके कब्जे से 283.61 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी है।

आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की है। डीसीपी उत्तर-पश्चिम जिला आकांक्षा यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की है।

तीन संदिग्धों को टीम ने दबोचा: पुलिस के अनुसार, 18 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने हैदरपुर विलेज मेट्रो स्टेशन के पास आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। दोपहर करीब 2:35 बजे मौके पर पहुंचे तीन संदिग्धों को टीम ने दबोच लिया। वहीं, इनमें चिरंजी लाल उर्फ मनीष (29 वर्ष), उसकी पत्नी इशिका (22 वर्ष) और अरमान उर्फ अमन (18) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, अरमान कथित तौर पर नशे की खेप लेने पहुंचा था। तलाशी के दौरान पुलिस को 283.61 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला: इसके अलावा काले रंग की टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। इस मामले में मौर्या एन्क्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की है।

कानून मंत्री के दफ्तर के बाहर 20 राउंड फायरिंग करने वाला दूसरा आरोपी एनकाउंटर में घायल



नईदिल्ली, एजेंसी। उस्मानपुर खादर इलाके में बुधवार देर रात को उत्तर पूर्वी जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ और समीर हत्याकांड में शामिल दूसरे बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान बदमाश अमन गाजी उर्फ गुर्जर के पैर में गोली लग गई। पुलिस टीम ने उसे घायल अवस्था में दबोच लिया और उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

20 राउंड गोलियां चली थी: अमन गाजी उर्फ गुर्जर दिल्ली के कानून मंत्री के कार्यालय के बाहर युवक समीर की हत्या के मामले में शामिल था। आरोपित ने कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। दोनों ने कानून मंत्री के कार्यालय के बाहर करीब 20 राउंड गोलियां चलाकर समीर की हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड के बाद से पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी। इस मामले में शामिल कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी कुछ दिन पहले पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया था। अब स्पेशल स्टाफ ने दूसरे आरोपित अमन गाजी को भी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। साथ ही हत्याकांड से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

पाकिस्तानी छात्र ने एआई से पूछा बम बनाने का तरीका, कॉफी पीते हुए कॉलेज उड़ाने की थी साजिश

इस्लामाबाद एजेंसी। पाकिस्तान में एक 17 वर्षीय छात्र को अपने ही कॉलेज में बम धमाके की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि छात्र ने विस्फोटक तैयार करने की जानकारी हासिल करने के लिए एंथ्रोपिक के एआई चैटबॉट क्लॉड का सहारा लिया था। वह एक सरकारी शिक्षण संस्थान को निशाना बनाने की योजना बना रहा था। इस मामले ने एआई तकनीक के आपराधिक इस्तेमाल को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के लाहौर कार्यालय के अतिरिक्त निदेशक आतिफ अमीर के मुताबिक, एजेंसी को अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई और क्लॉड एआई की ओर से किशोर की चैटबॉट के साथ हुई बातचीत की जानकारी मिली थी।इन बातचीत से पता चला कि स्थानीय कॉलेज में प्रथम वर्ष का छात्र बम बनाने और एक सरकारी शिक्षण संस्थान पर हमला करने के तरीके तलाश रहा था।



कॉफी पीते हुए कॉलेज उड़ाने की बात कही: जांच अधिकारी आतिफ अमीर ने दावा किया कि किशोर ने बड़ी इमारत को नुकसान पहुंचाने वाला बम बनाने के लिए कई रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल के बारे में सवाल किए थे। उसने कथित तौर पर एक कप कॉफी पीते हुए हमले को अंजाम देने की इच्छा भी जाहिर की थी। सोमवार को एनसीसीआईए की टीम ने लाहौर के बेदिया रोड इलाके में स्थित उसके घर पर छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान जांचकर्ताओं ने वह लैपटॉप जब्त कर लिया, जिसका इस्तेमाल छात्र क्लॉड एआई के साथ बातचीत करने के लिए करता था। अधिकारियों के अनुसार, लैपटॉप में चैटबॉट के साथ हुई बातचीत का रिकॉर्ड मौजूद था। हालांकि, घर की तलाशी के दौरान कोई विस्फोटक सामग्री या हथियार बरामद नहीं हुआ। एजेंसी ने पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम 2016 और पाकिस्तान दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

आधुनिक जिंदगी से हो रहा मोहभंग: धर्म की ओर लौट रहे जेन-जी, इंटरनेट बन रहा आस्था का नया माध्यम

रोम, एजेंसी। कई दशकों तक रोमन कैथोलिक धर्म ही नहीं, बल्कि ईसाई धर्म के अनुयायियों की संख्या में भी गिरावट आती रही। बड़ी संख्या में लोग धर्म छोड़ रहे थे और उनकी जगह लेने वाले कम होते जा रहे थे। लेकिन अब इस रुझान में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिका में खुद को ईसाई मानने वाले लोगों का अनुपात स्थिर होता दिखाई दे रहा है। वहीं, कैथोलिक चर्चों में नए धर्मांतरित लोगों की संख्या में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है।

कुछ सर्वेक्षणों में खासतौर पर जेन-जी के पुरुषों के बीच धार्मिक गतिविधियों में दिलचस्पी बढ़ने के संकेत मिले हैं। इस रुझान का अभी तक सटीक आकलन नहीं हो पाया है, लेकिन पादरियों और चर्च से जुड़े लोगों के बीच इसकी काफी चर्चा है। खास बात यह है कि इनमें से कई युवा इंटरनेट के जरिए धर्म की ओर आकर्षित हो रहे हैं। दर्जनों युवा कैथोलिक धर्मांतरितों से बातचीत में एक जैसी कहानियां सामने आईं।



कई युवाओं ने बताया कि उन्होंने यूट्यूब पर धार्मिक बहसें देखीं, ऑनलाइन फोरम और सबरेडिट पढ़े, ऐप पर तर्क-वितर्क किए और चर्च जाने से पहले ही अपनी धार्मिक पहचान को लेकर विचार बनाना शुरू कर दिया था। इनमें से कई युवा आधुनिक जीवन से असंतुष्ट थे। उन्हें लगा कि कैथोलिक धर्म उन्हें जीवन का एक अधिक सार्थक विकल्प दे सकता है। संभव है कि यही वजह है कि कुछ युवा कैथोलिक धर्म के उस पारंपरिक रूप की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जिसे आमतौर पर इस धर्म के अनुयायियों के बीच कम देखा जाता है।

17 साल की उम्र में कैथोलिक बने एंटोनियो: क्यूबेक के 20 वर्षीय एंटोनियो स्पैगनुओलो ने 17 साल की उम्र में कैथोलिक धर्म अपनाया। बचपन में वह पिता के साथ मस्जिद जाते थे, लेकिन किशोरावस्था में खुद को नास्तिक मानने लगे। कोरोना के दौरान अवसाद और अकेलेपन से जूझ रहे एंटोनियो की डिस्कॉर्ड पर इतिहास और धर्म में रुचि रखने वाले युवाओं से दोस्ती हुई।



THE UNCOVERED UPDATE
सच जो छुपा था, अब सामने है
हिन्दी समाचार पत्र
राजस्थान अपडेट
धरोहर, विकास और जनहित की खबर
| Digital Edition |
RJHIN/25/A4779
शनिवार, 28 नवंबर, 2026

कोकोनट पंच से हुआ स्वागत, इडली-रसम वडा से शुरुआत:केले के पत्तों पर परोसे बेन्ने डोसा; फूड लवर्स ने चखे साउथ इंडियन के व्यंजन



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। दक्षिण भारतीय खानपान की पहचान उसके पारंपरिक स्वाद, मसालों की खुशबू, नारियल की ताजगी, चावल और दाल से तैयार व्यंजनों और परोसने के खास अंदाज में छिपी है। इडली, डोसा और सांभर के अलावा दक्षिण भारत की फूड संस्कृति में कई ऐसे स्वाद हैं, जो अलग पहचान रखते हैं। इसी खानपान की विविधता और पारंपरिक जायके से जयपुर के फूड लवर्स को रूबरू कराने के लिए मालवीय नगर स्थित बनाना लीफ के नए आउटलेट पर खास फूड मीट-अप आयोजित किया गया। इसमें शहर के फूड इन्फ्लुएंसर्स और फूड लवर्स ने हिस्सा लिया। मेहमानों ने दक्षिण भारतीय व्यंजनों की अलग-अलग वैरायटी का स्वाद चखने के साथ उनके फ्लेवर, बनाने के तरीके और पारंपरिक अंदाज को जाना।

मीट-अप में मेहमानों का स्वागत रिफ्रेशिंग कोकोनट पंच से किया गया। दक्षिण भारतीय खानपान में नारियल की चटनी से लेकर कई पारंपरिक व्यंजनों तक इसका इस्तेमाल स्वाद और खुशबू को खास बनाता है।

वहीं वेलकम ड्रिंक के बाद खाने की शुरुआत रसम वडा, कूर्ग इडली और पोड़ी मिनी इडली जैसे स्टार्टर से हुई।

जिले में स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश,

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक



द अनकवर्ड अपडेट

जयपुर। जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।मौसमी बीमारियों पर चर्चा के दौरान जिला कलक्टर ने सर्दी में मौसम में चिकित्सालयों में पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कम्बल, साफ बैडशीट की व्यवस्था रखने और निमोनिया केसेज के प्रति सावचेत रहने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सा संस्थानों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता के निर्देश दिए। एचपीवी टीकाकरण पर चर्चा के दौरान उन्होंने अपेक्षित लक्ष्य अनुसार एचपीवी टीकाकरण पूर्ण के निर्देश दिए। एनसीडी कार्यक्रम के तहत व्यापक स्तर लर स्क्रीनिंग किए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने एएनसी की समय पर रिपोर्ट किए जाने और जेएसवाई व लाडो योजना में पेंडिंग केसेज को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

आरबीएसके योजना पर चर्चा के दौरान उन्होंने मोबाईल हैल्थ टीमों के द्वारा विद्यालयों में बच्चों को नियमित रूप से एनीमिया टेबलेट वितरित किए जाने के निर्देश दिए। पीएमजेएवाई योजना में इकेवाईसी किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही भूमि संबंधी समस्याओं का निस्तारण और जर्जर भवन का इस्तेमाल नहीं किये जाने के निर्देश दिए।उन्होंने चिकित्सा संस्थानों में लेबर रूम को व्यवस्थित रखने, नियमित साफ सफाई और बीसीएमओ द्वारा नियमित विजिट व मोनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस दौरान 'वन हैल्थ कार्यक्रम' और इसके सभी पहलुओं पर भी चर्चा हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना, एनसीडी,

आयुष्मान वय वंदन योजना, एएनसी, परिवार कल्याण, मां योजना, मां वाऊचर योजना, संस्थागत प्रसव, आभा आईडी, पीसीपीएनडीटी योजना और टीबी मुक्त भारत अभियान पर चर्चा की गई।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर (उत्तर) राजेन्द्र सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रथम डॉ. रवि शेखावत, कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वितीय डॉ. सुरेन्द्र गोयल सहित चिकित्सा विभाग के अधिकारी और संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन को लेकर बैठक

–प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन से प्रवासियों का मातृभूमि से जुड़ाव होगा मजबूत

–प्रदेश की विगत तीन वर्षों की विकास यात्रा से रूबरू होंगे प्रवासी राजस्थानी

–उत्कृष्ट उपलब्धियों और अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रवासी राजस्थानियों का होगा सम्मान- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- 10 दिसम्बर को जयपुर में जुटेंगे विश्वभर के प्रवासी राजस्थानी

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस विश्वभर में बसे राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से जोड़ने और प्रदेश की विकास यात्रा में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। आगामी 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की समृद्ध विरासत और विकास की संभावनाओं से रूबरू होने का मौका मिलेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसम्बर) के आयोजन की तैयारियों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने संबंधित विभागों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए समय से सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उत्कृष्ट उपलब्धियों एवं अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रवासी राजस्थानियों को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के तहत आयोजित होने वाले सेक्टोरल सेशन्स के सम्पूर्ण थीम की जानकारी लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसे प्रभावी तरीके से आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि विगत तीन वर्षों में प्रदेश के पानी, बिजली, पर्यटन, उद्योग, राष्ट्रीय राजमार्ग, हवाई सेवा, रेल, जल संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए विकास कार्यों और भविष्य की संभावनाओं को प्रवासी राजस्थानी दिवस में आकर्षक एवं रोचक तरीके से प्रस्तुत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सामाजिक कार्यों में प्रवासी राजस्थानियों द्वारा दिए गए सहयोग को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने 8 दिसम्बर को शेखावाटी हेरिटेज मीट के आयोजन के संबंध में भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हर वर्ष 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इसी कड़ी में दूसरा प्रवासी राजस्थानी दिवस आगामी 10 दिसम्बर को आयोजित किया जा रहा है। आगामी 8 दिसम्बर को झुंझुनूं के खेतड़ी स्थित अभयगढ़ में शेखावाटी हेरिटेज मीट और 10 दिसम्बर को जयपुर के जेईसीसी में प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान फाउंडेशन सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान के एमओयू को धरातल पर उतारने में तेजी लाएं, निवेशकों को हरसंभव सहयोग कराएं उपलब्ध

–निवेश समझौतों की नियमित मॉनिटरिंग करें संबंधित विभाग

–एमओयू के क्रियान्वयन से प्रदेश के युवाओं को मिलेगा रोजगार- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

द अनकवर्ड अपडेट



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान के माध्यम से निवेशकों ने प्रदेश में निवेश के लिए जो मजबूत भरोसा जताया है, उसे कायम रखते हुए निवेशकों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग एमओयू के धरातल पर क्रियान्वयन के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें, ताकि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू प्रगति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह समिट राजस्थान की विकास यात्रा को मजबूती देने वाली अहम कड़ी है। इसलिए एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग में तेजी लाने के लिए पूर्ण समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे अपने विभाग के एमओयू के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करें तथा आवश्यक स्वीकृतियों में तेजी लाएं। उन्होंने मुख्य सचिव को इस सम्पूर्ण कार्य की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के निवेश समझौते प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विस्तार और रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए निवेशकों के साथ निरंतर संवाद रखें।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव खान एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन आलोक गुप्ता सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

आस्था से भरपूर पंचमुखी हनुमान मन्दिर

मन्दिर का 29 को 11वा स्थापना * श्रीराम यज्ञ और भण्डारा का होगा आयोजन

द अनकवर्ड अपडेट



हलैना (विष्णु मित्तल)। श्री पंचमुखी हनुमान भक्त मण्डल व क्षेत्र के लोगों की ओर से द्वारा हलैना- नदबई मार्ग स्थित हलैना का आस्था से भरपूर श्री पंचमुखी हनुमान मन्दिर पर महन्त बाबू सैनी के सानिध्य में पंचमुखी हनुमान मन्दिर का ग्यारह वा स्थापना दिवस 29 नवम्बर को मनाया जाएगा। जिसका का पोस्टर विमोचन करने के बाद 27 से रामायण पाठ एवं प्रवचन आदि कार्यक्रम शुरु हो गए। सेवक विजय हवलदार एवं दुर्गा प्रसाद शर्मा ने बताया कि श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर का 29 को स्थापना दिवस मनाया जाएगा। जिस उपलक्ष में 26 नवंबर से रामायण पाठ संतदर्शन प्रवचन कीर्तन आदि कार्यक्रम शुरू हो चुके है। इस अवसर पर पोस्ट का विमोचन किया गया। उन्होंने बताया कि 29 नवंबर को राष्ट्रीय स्तर का संत सम्मेलन और श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद महा आरती होगी। इसके बाद विशाल भंडारा होगा। जिसमें ग्राम पंचायत हलेना व पाली सहित क्षेत्र के 70 से अधिक गांव के लोग प्रसाद में शामिल होंगे। पोस्टर विमोचन में बाबूलाल सैनी विदेशी सैनी हवलदार दुर्गा प्रसाद पंडित जलसिंह जाट, विष्णु मित्तल आदि मौजूद रहे।

वैर की पुष्पा तोताराम निर्विरोध प्रधान निर्वाचित

भुसावर में 9 मत से आशा बन्टी शर्मा निर्वाचित

पंचायती राज के प्रधान चुनाव-2026

द अनकवर्ड अपडेट



हलैना (विष्णु मित्तल)। पंचायत राज चुनाव-2026 के तहत पंचायत समिति के प्रधान पद के चुनाव में पंचायत समिति वैर में प्रधान पर के कांग्रेस उम्मीदवार श्रीमती पुष्पा तोताराम गुर्जर निर्विरोध निर्वाचित हुए,जबकि पंचायत समिति भुसावर में कांग्रेस उम्मीदवार श्रमती आशा बन्टी शर्मा एवं भाजपा उम्मीदवार पवन देवी के मध्य मुकावला हुआ,जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार आशा बन्टी शर्मा ने 9 मत से भाजपा उम्मीदवार पवन देवी का हरा दिया। कांग्रेस को 19 मत में से 14 तथा भाजपा को 5 मत मिले। वैर की नव निर्वाचित प्रधान पुष्पा तोताराम गुर्जर के भतीजा कपिल गुर्जर की पत्नी सीमा गुर्जर भी पंचायत समिति वैर-भुसावर की प्रधान रह चुकी है और प्रधान पुष्पा गुर्जर के पत्नी तोताराम गुर्जर कृषि उपज मण्डी समिति के वैर भुसावर हलैना के चैयरमेन रह चुके है। भुसावर के नव निर्चाचित प्रधान आशा बन्टी शर्मा के पति चन्दशेखर उर्फ बन्टी शर्मा उद्योगपति है और इनके ससुर हरी शर्मा ग्राम पंचायत घाटरी के सरपचं रह चुके है। वैर की प्रधान पुष्पा तोताराम गुर्जर के प्रधान बनने पर ग्राम पंचायत हलैना के सरपचं अन्नू टाकुर,हलैना अनाज मण्डी व्यापार संघ के अध्यक्ष योगेश जिन्दल,संजय जिन्दल,मोलोनी के सरपचं रामवीर ठेकेदार,पूर्व पंच विनोद मित्तल,किराना संघ के संरक्षक नीरज जिन्दल,मुकेश ठेकेदार,मेवाराम वारखुर्द,विष्णु मित्तल पत्रकार,थानसिंह सिनसिनवार पंत्रकार आदि ने तथा भुसावर की प्रधान आशा बन्टी शर्मा के बनने पर नगर पालिका भुसावर के पूर्व चेयरमेन चन्दप्रकाश अवस्थी,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश पाण्डेय,सतीश शर्मा,व्यापार संघ भुसावर के अध्यक्ष ऋषि शर्मा,राजेश पचौरी पत्रकार,हलैना के रिटायर्ड थानेदार सरमन लवानियां,भागचन्द शर्मा,शादरा शर्मा आदि ने खुशी प्रकट की और मिष्ठान वितरण कर आतिशबाजी की।

नदबई में भाजपा से भूपेन्द्र फौजदार निर्विरोध प्रधान निर्वाचित

रिटर्निंग अधिकारी ने सोंपा निर्वाचन प्रमाण पत्र

द अनकवर्ड अपडेट



नदबई।पंचायतीराज चुनाव परिणाम के बाद प्रधान पद को लेकर शुक्रवार को नदबई पंचायत समिति में एकमात्र नामांकन होने के चलते भाजपा सिम्बल पर भूपेन्द्र फौजदार को निर्विरोध प्रधान घोषित किया गया। इससे पहले नवनिर्वाचित प्रधान ने विधायक जगत सिंह व जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा की मौजूदगी में नामांकन किया। एकमात्र नामांकन होने के चलते रिर्टनिंग अधिकारी ने भूपेन्द्र फौजदार को निर्विरोध प्रधान विजयी घोषित कर प्रमाण पत्र दिया। गौरतलब है कि, नवनिर्वाचित प्रधान ने नदबई पंचायत समिति के वार्ड 3 से भाजपा सिम्बल पर पंचायत समिति का चुनाव जीता। बाद में नवनियुक्त प्रधान का समर्थकों ने जयघोष के बीच जगह-जगह माला पहनाकर अभिनंदन किया।

विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन नई दिल्ली में शुरू

विद्युत क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अंतर राज्यीय सहयोग जरूरी - ऊर्जा मंत्री

द अनकवर्ड अपडेट



नई दिल्ली/जयपुर। विद्युत मंत्रियों का दो दिवसीय सम्मेलन शुक्रवार को नई दिल्ली में शुरू हुआ। 27-28 नवंबर को आयोजित इस सम्मेलन में 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों के विद्युत मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और विद्युत नियामक भाग ले रहे हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल कर रहे हैं। सम्मेलन में राजस्थान का प्रतिनिधित्व ऊर्जा मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री हीरालाल नागर ने किया।

यह सम्मेलन भारत के विद्युत क्षेत्र की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं और उनके कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों पर केंद्र और राज्यों के बीच विचार-विमर्श का मंच है। इसमें ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विद्युत अवसंरचना और क्षेत्रीय सुधारों में तेजी लाने पर विशेष रूप से चर्चा की जा रही है।

सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने कहा कि सभी राज्यों के ऊर्जा मंत्रियों की इस बैठक में राज्यों में पावर जनरेशन से लेकर ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियाँ के लिए जो टारगेट दिए गए हैं, उनके ऊपर प्रेजेंटेशन होनी है कि किस तरह से इस क्षेत्र की मजबूती के लिए प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बैठक के दौरान राज्यों द्वारा विद्युत क्षेत्र की मजबूती और भविष्य में जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों पर विस्तार से चर्चा होनी है। चुकीं विद्युत उत्पादन और वितरण में सभी राज्यों का सहयोग जरूरी है इसलिए इस बैठक का काफी महत्व है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ एमओयू करके सोलर सिस्टम लगाना चाहती हैं इसलिए इस बैठक के दौरान उससे जुड़े हुए मसलों पर भी महत्वपूर्ण चर्चा होनी है।

उन्होंने कहा कि देश में जो आवश्यकता है उसे ध्यान में रखते हुए आने वाले समय में बिजली की कितनी कमी होगी और बिजली की उपलब्धता कितनी होगी, उस पर राज्य अपनी कार्ययोजना बनाएँगे, ताकि आवश्यकता की पूर्ति के लिए उनके पास संसाधन उपलब्ध हों। श्री नागर ने कहा कि हमने वर्ष 2025-26 में 931 करोड़ का लाभ अर्जित किया है।बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री खट्टर ने कहा कि विद्युत क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्यों के बीच मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने विद्युत उत्पादन क्षमता के विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और राष्ट्रीय ग्रिड को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारी विकास यात्रा के अगले चरण में विद्युत क्षेत्र की योजना बनाने के लिए अधिक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें विद्युत उत्पादन, ऊर्जा भंडारण, पारेषण और वितरण को एक ही प्रणाली के परस्पर जुड़े घटकों के रूप में ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने राज्यों से स्मार्ट मीटर लगाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे उपभोक्ताओं को कई महत्वपूर्ण लाभ मिलेंगे। श्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्यों के सहयोग और विद्युत मंत्रालय की विभिन्न पहलों के परिणामस्वरूप बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) लंबे समय के बाद लाभ की स्थिति में पहुंची हैं।बैठक के दूसरे दिन 28 नवंबर को आयोजित होने वाले प्रमुख सत्रों में नियामक मंच और राज्य विद्युत नियामक आयोगों (एसईआरसी) के साथ संयुक्त सत्र शामिल होगा। इस सत्र में राज्य के विद्युत मंत्री, एसईआरसी के अध्यक्ष, राज्यों के विद्युत/ऊर्जा सचिव और मंत्रालय के अधिकारी विद्युत क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

नई दिल्ली में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले का हुआ समापन

राजस्थान पवेलियन का लाखों लोगों ने किया भ्रमण,

पवेलियन में 50 लाख से ज्यादा का कारोबार

द अनकवर्ड अपडेट



नई दिल्ली/जयपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में शुक्रवार को सम्पन्न हुए चौदह दिवसीय 45 वें भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में राजस्थान पवेलियन जन आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा और लाखों लोगों ने पवेलियन का अवलोकन किया।राजस्थान पवेलियन के निदेशक श्री हर्ष शर्मा ने बताया कि राजस्थान हस्तशिल्प के प्रति आकर्षण के चलते पवेलियन में करीब 50 लाख का कारोबार हुआ। इसमें सबसे अधिक बिक्री जयपुरी रजाईयां, राजस्थानी हेंडीक्राफ्ट और राजस्थानी परिधानों के साथ-साथ राजस्थानी खानपान की हुई।

उल्लेखनीय है कि व्यापार मेले के इस मंच के माध्यम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'विकसित राजस्थान' के विजन को मुख्य रूप से प्रस्तुत किया गया। राजस्थान पवेलियन में प्रदेश के 41 जिलों के ओडीओपी उत्पादों एवं 24 जीआई टैग उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। वहीं, 44 स्टॉलों के माध्यम से शिल्पकारों, उद्यमियों, उत्पाद निर्माताओं एवं महिला स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का अवसर प्रदान किया गया था।

मेले की थीम 'विकास और विरासत' के अनुरूप पवेलियन में राजस्थान की पारंपरिक कला, संस्कृति एवं शिल्प को आधुनिक तकनीक, उद्योग, निवेश और विकास की संभावनाओं के साथ प्रस्तुत किया गया। मेले के दौरान आकर्षक 'पीकॉक गेट' एवं 'नमस्ते गेट', एआई आधारित डिजिटल झरोखा, कठपुतली कियोस्क, सेल्फी झरोखा और 3डी प्रिंटिंग जैसी तकनीकी प्रस्तुतियां आगंतुकों के विशेष आकर्षण का केंद्र रही।

14 दिन तक चले व्यापार मेले में विभिन्न देशों के गणमान्य प्रतिनिधियों ने भी राजस्थान पवेलियन का भ्रमण कर राजस्थानी कला संस्कृति और हैंडीक्राफ्ट से ओतप्रोत पवेलियन की भूरी-भूरी प्रशंसा की तथा राजस्थानी आर्टिजंस के साथ रूबरू होकर अपने अनुभव बांटे।

गैस सलेंडर से दो छप्परपोश मकान में लगी आग, बड़ा हादसा टला

करीब 60 हजार नगदी सहित घरेलू सामान व उपकरण जलकर हुए बर्बाद, नदबई क्षेत्र के गांव नगला बंजारा का मामला, दमकल की सहायता से आग पर काबू

द अनकवर्ड अपडेट



नदबई।नदबई क्षेत्र के गांव नगला बंजारा में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया। जब, घरेलू कार्य दौरान अचानक गैस सलेंडर में आग लगने से छप्परपोश मकान में आग लग गई। आग लगता देख, ग्रामीणों ने निजी डीपबोर की सहायता से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन, आग ने समीपवर्ती दूसरे छप्परपोश मकान को भी चपेट में ले लिया। बाद में नदबई नगर पालिका दमकल की सहायता से करीब एक घंटा मशक्कत कर आग पर काबू पाया। लेकिन, इससे पहले छप्परपोश मकान में रखा सामान जलकर बर्बाद हो गया। विभागीय सूत्रों की मानें तो पीडित बनवारी पुत्र नोहबत सिंह के छप्परपोश मकान में पीड़ित।

स्वामी और प्रकाशक बुधमती गोस्वामी एवं मुद्रक ताराचंद कुमावत द्वारा महारानी प्रिन्टर्स, 17 मां वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर छपवाकर/मुद्रित कर, 10 MA, आईजी नगर, जगतपुरा,जयपुर, राजस्थान - 302017 से प्रकाशित किया। प्रधान संपादक: बुधमती गोस्वामी एवं संपादक: रमाकान्त गोस्वामी, उप संपादक - मोनिका शर्मा, पीआरजीआई नं. RJHIN/25/A 4779 ब्रांच ऑफिस: 18k3, पंकज सिंघवी मार्ग, ज्योति नगर, जयपुर-302002, मो. नं. 7610866001, हैल्प लाईन नं.: 8946840063, ईमेल आईडी: editor.the uncoveredupdate@gmail.com, वेबसाइट: www.theuncoveredupdate.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तदायी), किसी भी वाद-विवाद से निपटने के लिए न्यायालय जयपुर मान्य होगा।